

फल उत्पाद (संशोधन) आदेश

कृषि मंत्रालय  
(खाद्य प्रसंस्करण उद्योग विभाग)

संशोधन

नई दिल्ली, तारीख 29 मार्च, 2001

\*का0आ0 292 (ई) - भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3 (ii) में प्रकाशित का0आ0 1136 (ई) का संशोधन -

ऊपर वर्णित का0आ0 में अन्तर्विष्ट आदेश, प्रत्यावर्तनीय कांच की बोतलों के संबंध में इस सीमा तक उपांतरित किया जाता है कि जहां विनिर्माण का वर्ष बोतल के मुख्य भाग पर उत्कीर्ण है, वहां उक्त अधिसूचना अनुसूची में उल्लिखित तारीख से प्रवृत्त होगी। उन बोतलों के लिए जिन पर वर्ष उत्कीर्ण नहीं है, अनुसूची में क्रम सं0 1 पर वर्णित तारीख निम्नलिखित रूप में लागू होगी:-

अनुसूची

क्रम संख्या	बोतल पर उत्कीर्ण वर्ष	प्रवृत्त होने की तारीख
1.	2000 और उससे आगे	1.4.2006
2.	1999	1.4.2005
3.	1998	1.4.2004
4.	1997	1.4.2003
5.	1996	1.4.2002
6.	1995 और उससे पूर्व	1.4.2001

(फा0सं01/3/एफ. एंड वी.पी.)

विभा पुरी दास, संयुक्त सचिव

\* भारत के राजपत्र (असाधारण) भाग-II, खण्ड 3, उप-खण्ड (ii) में का0 आ0 सं0292 (ई) दिनांक 29 मार्च, 2001 के अन्तर्गत प्रकाशित

फल उत्पाद (संशोधन) आदेश, 2000

कृषि मंत्रालय  
(खाद्य प्रसंस्करण उद्योग विभाग)

आदेश

नई दिल्ली-110049 दिनांक: 20.12.2000

'का0 आ0 सं0 1136 (ई)-केंद्रीय सरकार आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, फल उत्पाद आदेश, 1955 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात:-

1. (1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम फल उत्पाद (संशोधन) आदेश, 2000 है ।  
(2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 90 दिन के पश्चात प्रवृत्त होगा ।
2. फल उत्पाद आदेश, 1955 के खण्ड 11 में, उपखण्ड 3 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात:-

(3) ऐसे मधुरित वातित जल के, जिसमें किसी फल का रस या फल की लुगदी नहीं है या जिसमें 10 प्रतिशत से कम फल का रस या फल की लुगदी है, आधान पर एक स्पष्ट और सहज दृश्य रूप से इस आशय का चिन्ह होगा कि 'इसमें कोई फल नहीं है' । यदि कृत्रिम सुरूचिक का भी उपयोग किया गया है, तो लेबल पर 'कृत्रिमतः सुरूचिक' शब्द घोषित किए जाएंगे । किसी मीडिया के मार्फत मधुरित वातित जल के लिए किए गए प्रचार और विज्ञापन में भी सहज दृश्य रूप से इस तथ्य को स्पष्ट और प्रदर्शित किया जाएगा कि इन उत्पादों में कोई फल नहीं है' ।

(फा0सं0 1/3/एफ एंड वी.पी.)

विभा पुरी दास, संयुक्त सचिव

---

\* भारत के राजपत्र (असाधारण) भाग-II, खण्ड 3, उप-खण्ड (i) में का0आ0सं01136(ई) दिनांक 20 दिसम्बर, 2000 के अन्तर्गत प्रकाशित

फल उत्पाद (संशोधन) आदेश, 1997

स्वास्थ्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, दिनांक 30.05.1997

\*का.आ. 1530 केंद्रीय सरकार आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, फल उत्पाद आदेश, 1955 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित आदेश करती है अर्थात:-

1. (1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम फल उत्पाद (संशोधन) आदेश, 1997 है।  
(2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।
2. फल उत्पाद आदेश, 1955 (जिसमें इसमें इसके पश्चात उक्त आदेश कहा गया है) में, 'संश्लिष्ट' शब्द के स्थान पर जहाँ-जहाँ यह आता है, क्रमशः शब्द 'फल रहित' रखे जाएंगे।
3. उक्त आदेश के खंड 2 में, उपखंड (घ) में, मद संख्या (xv) के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात:-  
(xv) 'ऐसे सभी अधिनिर्दिष्ट फल और सब्जी उत्पाद जो सूक्ष्म विज्ञान की दृष्टि से सुरक्षित समझे जाते हैं और जिनमें केवल अनुज्ञेय सीमा तक अनुज्ञात संयोजी है।'
4. उक्त आदेश के खंड 3 में, उपखंड (1) में, मद (1) (4) से संबंधित विद्यमान प्रविष्टियों के पश्चात निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात:-  
'(5) उपशोक्ता संगठनों का एक प्रतिनिधि।'
5. उक्त आदेश के खंड 4 में, उपखंड (3) के पश्चात, निम्नलिखित उप खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात:-  
'(3 क) कोई विनिर्माता, यथास्थिति, तीन, पांच और दस वर्ष के लिए एकमुश्त फीस का संदाय करके अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए आवेदन कर सकता है।'
6. उक्त आदेश के खंड 8 में, उपखंड (1) में मद (क) के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात:-  
'(क) प्रत्येक आधान पर जिसमें कोई फल उत्पाद पैक किया जाता है एक लेबल होगा जिसमें दूसरी अनुसूची के भाग xx, मद 2 में यथा विनिर्दिष्ट ब्योरे होंगे।'
7. उक्त आदेश के खंड 11 में, उपखंड (3) में 'इसमें कोई फल रस या फल की लुगवी नहीं है' शब्दों के स्थान पर 'इसमें कोई फल नहीं है' शब्द रखे जाएंगे।
8. उक्त आदेश की दूसरी अनुसूची में,  
(i) भाग 2 में, साधारण लक्षण से संबंधित स्तंभ 5 में, अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात:-  
'ऐसे कोई सीरप/शरबत जिनमें न्यूनतम 10% सूखे मेवे हों फल सीरप कहे जाने के लिए अर्हित होंगे।'

\* भारत के राजपत्र (असाधारण) भाग 2, खंड 3, उपखण्ड (ii) में का.आ.सं.1530 (ई) दिनांक 30 मई, 1997 के अन्तर्गत प्रकाशित।

- (ii) भाग xvii तेल के अचारों के लिए विनिर्देशों से संबंधित भाग xvii के पश्चात्, निम्नलिखित भाग जोड़ा जाएगा, अर्थात्-

**भाग xvii-क**

**अचार के लिए विनिर्देशियाँ**

अचार से अभिप्रेत है ऐसी निर्मिति जो दूध, साफ, कच्चे या पर्याप्त रूप से पके हुए फल या सब्जी अथवा दोनों के सममिश्रण से बनाया गया हो और जो कीट क्षति या फंगुदी आक्रमण से मुक्त हो तथा नमक, अम्ल, चीनी या इन तीनों के किसी सममिश्रण में परिरक्षित हो। अचार में प्याज, लहसुन, चीनी, गुड़, खाद्य तेल, मसाले, मसाला निष्कर्षण या हल्दी का तेल, काली मिर्च, लाल मिर्च, मेथी, सरसों दाना या सरसों दाना चूर्ण, सब्जी संघटक, हींग, काला चना, नींबू का रस, हरी मिर्च, सिरका या एसिटिक अम्ल, सीट्रिक अम्ल, सूखे मेवे जिसमें किशमिश और काष्ठ फल भी है, हो सकता है। अचार मिलाए गए तांबे, खनिज अम्ल, फिट्करी से मुक्त होगा और उसमें किष्पन के कोई चिन्ह दिखाई नहीं देंगे। उत्पाद तलछट से मुक्त होगा। अचार सुरुचिक स्वाद और गंध वाले होंगे।\*

- (iii) भाग xx में, मद (च) और संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित मद अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात्-

\* (छ) फल और सब्जी उत्पाद संपूर्णतया अपूरित और लचीली पैकिंग सामग्री में पैक किए जाएंगे जो भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा अधिकथित विनिर्देशों के अनुस्यू खाद्य श्रेणी क्वालिटी की होगी।\*

- (iv) भाग (xxiv) में, मद (ख) और उससे संबंधित प्रविष्टियाँ के पश्चात्, निम्नलिखित मद जोड़ी जाएगी, अर्थात्-

\* (ग) फल उत्पादों में फुत्रिम महुरकों के रूप में एसार्टेम अधिकतम 700 पीपीएम के अर्धिन रहते हुए और एसाल्टुम के अधिकतम 300 पीपीएम के अर्धिन रहते हुए मिलाया जा सकता है।\*

(घ) खाद्य अम्ल अर्थात् मालिक अम्ल, सीट्रिक अम्ल, लैक्टिक अम्ल अच्छी विनिर्माण प्रथा के अनुसार अम्लीकारकों के रूप में मिलाया जा सकता है।

(एम.के.जे. नायर)

अवर सचिव, भारत सरकार

टिप्पण: मूल आदेश भारत के राजपत्र का.नि.आ. सं.1052, तारीख 3 मई, 1955 द्वारा प्रकाशित किया गया था।

  
**भारत का राजपत्र**  
**The Gazette of India**

असाधारण  
EXTRAORDINARY  
भाग 2—अनुभाग 3क  
PART II—Section 3A  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 1 ] नई दिल्ली, सोमवार, 26 मई, 1997/5 ज्येष्ठ, 1919 (शक) [ खण्ड XXVIII  
No. 1 ] NEW DELHI, MONDAY, MAY 26, 1997/JYAISTHA 5, 1919 (SAKA) [ Vol. XXVIII

विधि और न्याय मंत्रालय  
(निधायी विभाग)  
राजभाषा खण्ड

नई दिल्ली, 26 मई, 1997/5 ज्येष्ठ, 1919 (शक)

दि फ्रूट प्रोडक्ट्स आर्डर, 1955 का हिन्दी अनुवाद, राष्ट्रपति के प्राधिकार से, प्रकाशित किया जाता है और राजभाषा अधिनियम, 1963 (1963 का 19) की धारा 5 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अधीन, यह हिन्दी में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जाएगा :—

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE  
(LEGISLATIVE DEPARTMENT)  
OFFICIAL LANGUAGES WING

New Delhi, May 26, 1997/Jyaistha 5, 1919 (Saka)

The translation in Hindi of the following namely, the Fruit Products Order, 1955 is hereby published under the authority of the President and shall be deemed to be the authoritative text thereof. In Hindi under clause (b) of sub-section (1) of section 5 of the Official Languages Act, 1963 (19 of 1963) :—



भारत सरकार

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय

## फल उत्पाद आदेश, 1955

[28 जनवरी, 1950 को यथाविद्यमान]

सा० का० ति० 1052—केन्द्रीय सरकार, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् :—

1. (1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम फल उत्पाद आदेश, 1955 है।

(2) इसका विस्तार संपूर्ण भारत पर होगा।

2. इस आदेश में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) "अधिनियम" से आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) अभिप्रेत है;

(ख) "समिति" से केन्द्रीय सरकार द्वारा धारा 3 के अधीन गठित केन्द्रीय फल उत्पाद सलाहकार समिति अभिप्रेत है;

(ग) "प्रकल्प" से पहली अनुसूची में उपबन्धित प्रकल्प अभिप्रेत है;

(गग) "फल निरीक्षक" से पूर्णतः पके हुए तथा अच्छे फलों की लुगदी या रस से तैयार किया गया परोखने योग्य पेय अभिप्रेत है;

(घ) "फल उत्पादों" से निम्नलिखित वस्तुओं में से कोई वस्तु अभिप्रेत है, अर्थात् :—

(i) संश्लिष्ट पेय, नीरा तथा शर्बत,

(ii) गिरका, चाहे किण्वित हो अथवा, संश्लिष्ट,

(iii) अचार,

(iv) निर्जलीकृत फल तथा सन्जियां,

(v) स्फूर्ण्य, कसोज, शानितवर्धक, मूव-जल, बीरल जूस या परोखने योग्य पेय, फल निरीक्षक या कोई अन्य पेय जिसमें फल रस अथवा फल लुगदी हो,

(vi) जैम, जैली तथा मारम्लैड,

(vii) टमाटर उत्पाद, कैंपचप तथा साँस,

(viii) संरक्षित, कैंडीड तथा क्रिस्टलीकृत फल तथा छिलके,

(ix) चटनियां,

(x) डिब्बा बंद तथा बोतल बंद फल, जूस और लुगदी,

(xi) डिब्बा बंद तथा बोतल बंद सन्जियां,

(xii) प्रशीतित फल तथा सन्जियां,

(xiii) फल रस या फल लुगदी सहित या उससे बिना मधुरित,

(xiv) फल-अनाज फलीवस,

(xv) फल अथवा सन्जियों से संबंधित कोई अन्य अचिनिविष्ट वस्तु,

(घष) "लियाल" से किसी फल उत्पाद के विषय में लिखित, मुद्रित, छिद्रित, स्टैशिलीकृत, सगुन या स्टॉप लगाकर सामग्री का प्रदर्शन अभिप्रेत है;

(ङ) "अनुज्ञप्तिकारी" से ऐसा विनिर्माता अभिप्रेत है जिसे इस आदेश के अधीन अनुज्ञप्ति दी गई है;

(च) "अनुज्ञप्ति संख्या" से ऐसी अनुज्ञप्ति संख्या अभिप्रेत है जो इस आदेश के अधीन विनिर्माता को दी गई है;

(छ) "अनुज्ञापन अधिकारी" से निदेशक (फल सन्जीं परिरक्षण) खाद्य और पोषण बोर्ड, खाद्य विभाग कृषि मंत्रालय, भारत सरकार अभिप्रेत है तथा इसमें अन्य अधिकारी सम्मिलित हैं, जिसे केन्द्रीय सरकार अनुमोदन से उसके द्वारा इस निमित्त, सशक्त किया गया है;

(ज) "विनिर्माता" विक्री के लिए फल उत्पादों के विनिर्माण के कारखाने में लगा कोई व्यक्ति अभिप्रेत है तथा इसमें कोई ऐसा व्यक्ति सम्मिलित है जो किसी अन्य व्यक्ति से फल उत्पाद प्राप्त करता है और विक्री के लिए उन्हें बेचता है या उन पर लेबल लगाता है;

(झ) "अनुसूची" से इस आदेश से उपाखण्ड अनुसूची अभिप्रेत है;

(ञ) "शर्बत" से ऐसे गैर एल्कोहल युक्त मधुर पेय का सीरा अभिप्रेत है जिसमें गैर-फल सुरुचिक गुलाब, खस, केवड़ा आदि सहित सुरुचिक फल रस हो;

(ट) "संश्लिष्ट पेय" से कोई मधुरित गैर-एल्कोहल युक्त (या अवाहित) पेय, चाहे या वांछित अभिप्रेत है, जिसमें कोई फल रस न हो या रस अंतर्वस्तु 10 प्रतिशत से अल्प हो और चाहे कृत्रिम सुरुचिक हो या न हो;

(ठ) "संश्लिष्ट शर्बत" से कोई गैर-एल्कोहल युक्त शर्बत अभिप्रेत है जिसमें फल रस 25 प्रतिशत से अधिक हो और जिसमें कृत्रिम सुरुचिक तथा रंग, फलों से मिलकर जुलता हो;

(ड) "अवधि" से एक कलेंडर वर्ष या उससे कोई भाग अभिप्रेत है जो उस वर्ष के दिसंबर मास के 31 दिनों समाप्त होता है।

3. (1) इस आदेश के प्रारम्भ के पश्चात् और उसके अन्तर्गत की अवधि के अन्तराल के पश्चात्, केन्द्रीय सरकार राजपत्र

प्रकाशित आदेश द्वारा एक समिति का गठन कर सकेगी जो केन्द्रीय फल उत्पादक सलाहकार समिति के नाम से ज्ञात होगी, और जिसमें भारत सरकार का एक संयुक्त सचिव-समिति का अध्यक्ष होगा, कार्यपालक निदेशक, खाद्य और पोषण बोर्ड, खाद्य विभाग, समिति का उपाध्यक्ष होगा और अनुज्ञापन अधिकारी द्वारा नामनिर्देशित किए जाने वाले विनियमित होंगे,—

## सदस्य

(क) संश्लिष्ट सिरा, गौरा, मुरब्बा, चटनी और अचार विनिर्माताओं का एक-एक प्रतिनिधि होगा;

(ख) स्कर्वश और परोक्षने के लिए तैयारियों के विनिर्माताओं का एक-एक प्रतिनिधि;

(ग) डिब्बा बंद फल, डिब्बा बंद सब्जियां, जैम, जैली, मारमलेड और टमाटर उत्पादों के विनिर्माताओं के दो-दो प्रतिनिधि;

(गघ) मुरब्बा, चटनी और अचारों के लघु विनिर्माताओं का एक प्रतिनिधि;

(गग) डिब्बा बंद फलों, डिब्बा बंद सब्जियों, जैम, जैली और मारमलेड के लघु विनिर्माताओं का एक प्रतिनिधि;

(घ) दो ऐसे व्यक्ति जिनके पास अनुज्ञापन अधिकारी की राय में, फल और उत्पादों के विनिर्माण के संघर्ष में सन्तुष्टि तकनीकी बर्हातए हैं;

(ङ) फल और सब्जी उत्पादों के निर्यातकर्ताओं का एक प्रतिनिधि;

(च) निदेशक, केन्द्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान या उसका नामनिर्देशित;

(छ) भारत सरकार का कृषि आवृत्त या उसका नामनिर्देशित;

(ज) खाद्य और कृषि मंत्रालय का तकनीकी सलाहकार या उसका नामनिर्देशित;

(झ) (i) भारत में फल और सब्जी उगाने वालों के दो प्रतिनिधि;

(ii) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) का एक प्रतिनिधि;

(iii) मधुरित वातित जल जिसमें फल का रस या फल की सुपदी हो या न हो, के विनिर्माताओं के दो प्रतिनिधि;

(iv) भारतीय मानक संस्था का एक प्रतिनिधि ।

## सदस्य-सचिव

(ग) निदेशक (फल और सब्जी परिवर्तन), खाद्य विभाग ।

(2) समिति का सदस्य उस अवधि के लिए पद धारण करेगा जिसके लिए समिति का गठन किया गया है :

परन्तु कोई सदस्य अनुज्ञापन अधिकारी को लिखित में सूचना देकर पदत्याग करेगा ।

(3) यदि समिति के किसी नामनिर्देशित सदस्य की मृत्यु, पदत्याग, सवय बित जाने या अन्यथा के कारण कोई रिक्ति होती है तो इस प्रकार हुई रिक्ति को उपखण्ड 3(1) के अधीन नामनिर्देशन द्वारा भरा जाएगा, और ऐसी आकस्मिक रिक्ति को भरने के लिए नियुक्त कोई व्यक्ति तब तक पद धारण करेगा जब तक कि वह तत्सम पद धारण करता है जिसके स्थान पर उसे नामनिर्देशित किया गया है ।

(4) समिति की गणपूर्ति चार से मिलकर अनेगी किन्तु इसके अधीन रहते हुए समिति किसी रिक्ति पर ध्यान दिए बिना कार्यवाई कर सकेगी ।

(5) समिति अपनी कार्यवाहियों की ऐसी रीति में विनियमित कर सकेगी जैसा वह उपयुक्त समझे किन्तु किसी ऐसे विषय पर जिसमें समिति के मत अंतर-अंतर विभाजित हों, अध्यक्ष या समिति की अध्यक्षता करने वाले व्यक्ति का दूसरा या निर्णयक मत होगा ।

(6) समिति के कृत्य, फल परिवर्तन उद्योग से संबंधित किसी विषय पर खाद्य विभाग, भारत सरकार को सलाह देना होगा ।

(7) केन्द्रीय सरकार, किसी भी समय, यदि वह लोकहित में ऐसा करना समीचीन समझे तो आदेश द्वारा समिति का विघटन कर सकेगी और तत्परचात् समिति विघटित हो जाएगी और नामनिर्देशित सभी व्यक्ति उस आदेश की तारीख से उसके सदस्य नहीं रहेंगे :

परन्तु केन्द्रीय सरकार, यथासंभव शीघ्र उपखण्ड 3(1) में उपबन्धित रीति में समिति का पुनर्गठन करने के लिए कदम उठाएगी ।

4. (1) कोई भी व्यक्ति इस आदेश के अधीन प्रकृत "ख" में मंजूर किए गए किसी प्रभावी अनुज्ञप्ति के निर्देशनों के अनुसरण के सिवाय विनिर्माण का कारखाना नहीं करेगा और न ही वह और फल उत्पादों के लेबल पर इस आदेश के अधीन जारी की गई किसी अनुज्ञप्ति की संख्या का उपयोग करेगा ।

(2) कोई अनुज्ञप्ति तब तक अखरिज नहीं की जाती है, जब तक उसमें विहित अवधि तक प्रयुक्त रहेगी ।

(3) किसी अनुज्ञप्ति के नवीकरण का कोई आवेदन अनुज्ञापन अधिकारी को अनुज्ञप्ति की विधिमान्यता की अवधि के अवसर से कम से कम एक मास पूर्व प्रस्तुत किया जाएगा ।

(4) यदि अनुज्ञप्ति की विधिमान्यता की अवधि के अवसर से एक मास पूर्व अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए आवेदन किया जाता है तो अनुज्ञप्ति आवेदन पर आदेश पारित करने तक प्रयुक्त बनी रहेगी ।

5. (1) किसी अनुज्ञप्ति के मंजूर करने के लिए प्रत्येक आवेदन खण्ड 4(1) के अधीन अनुज्ञापन अधिकारी को प्रकृत "क" में दो प्रतिवों में किया जाएगा और उसके साथ उतनी राशि की फीस जो अनुज्ञप्ति के प्रत्येक वर्ग के लिए समुचित है, जिसके लिए उपखण्ड 5(2) के उपबन्धों के अधीन ऐसा आवेदन किया जाता है, लगाई जाएगी ।

(2) निम्नलिखित फीस जो उपयुक्त है, उपखण्ड 5(1) के अधीन एक बार या उसके नाम के लिए संदेय होगी, अर्थात्:—

(क) (i) घरेलू उद्योग प्रवर्ग (क)	20 रु०
(ii) घरेलू उद्योग प्रवर्ग (ख)	100 रु०
(ख) कुटीर उद्योग	250 रु०
(ग) (i) लघु उद्योग प्रवर्ग (क)	400 रु०
(ii) लघु उद्योग प्रवर्ग (ख)	600 रु०
(घ) विशाल उद्योग	1500 रु०
(ङ) रिले वेयर	500 रु०

(2क) ऐसा विनिर्माता जो फल और सब्जियों का उत्पादन भिन्न-भिन्न परिस्तरों में कर रहा है, ऐसे प्रत्येक परिस्तर की वास्तविक वृष्य-वृष्य अनुज्ञप्ति लेगा। स्थान के नाम और कारखाने के मुख्य कार्यालय की अवस्थिति, के संशोधकों सहित ऐसे उत्पादों के आधातों पर एक सम्मिलित अनुज्ञप्ति संख्या लगी होगी और प्रत्येक ऐसे परिस्तर की वास्तविक जारी किए गए कम संख्यांक उसके लेबल पर प्रदर्शित होंगे।

(3) इस खण्ड के अधीन किसी अनुज्ञप्ति के लिए किसी आवेदक द्वारा संदत्त कोई फीस प्रविदेय नहीं होगी:

परन्तु यह कि अहां उपखण्ड 4(1) के अधीन अनुज्ञप्ति पास-जूर कर दी जाती है या जहां संदत्त अनुज्ञप्ति फीस मंजूर की गई अनुज्ञप्ति की संदेय राशि से अधिक है वहां यथास्थिति, अनुज्ञप्ति फीस, संदत्त अधिक राशि, आवेदक को प्रतिवाप्य कर दी जाएगी।

(4) अनुज्ञापन अधिकारी लेखबद्ध किए जाने वाले कारणों से किसी आवेदक को कोई अनुज्ञप्ति मंजूर करने से इंकार कर सकेगा और उसे इस प्रकार पारित आदेश की प्रति यथासंभव घोष्य देगा।

6. (1) अनुज्ञापन अधिकारी, विनिर्माता को कारण बतित करने का अवसर देने के पश्चात् और उसे तीन मास की सूचना देने के पश्चात् इस आदेश के अधीन उसे मंजूर की गई अनुज्ञप्ति को, अनुज्ञप्ति के निरस्तकरण के किसी उल्लंघन या इस आदेश के उपबंधों के उल्लंघन या किसी आदेश, निदेश या इस आदेश के अधीन की गई किसी अपेक्षा का अनुपालन करने में हुई असफलता के कारण अनुज्ञप्ति को रद्द कर सकेगा।

(2) विनिर्माता उपखण्ड 6(1) के अधीन अनुज्ञापन अधिकारी द्वारा अनुज्ञप्ति रद्द करने के पारित आदेश के विरुद्ध उसके द्वारा प्राप्त आदेश की प्राप्ति के तीस दिन की अवधि के भीतर अपील कर सकेगा और केन्द्रीय सरकार का विनिश्चय अन्तिम होगा।

7. प्रत्येक विनिर्माता इस आदेश की दूसरी अनुसूची में विहित स्वच्छता अपेक्षाओं और क्वालिटी और संरचना के समुचित मानकों के अनुसूचित फल उत्पादों का विनिर्माण करेगा। इस प्रकार विनिर्दिष्ट न किए गए प्रत्येक अन्य फल और सब्जी उत्पाद का निर्माण, अनुज्ञापन अधिकारी द्वारा इस निमित्त कथित क्वालिटी और संरचना के मानक के अनुसार किया जाएगा।

8. (1) प्रत्येक विनिर्माता, फल उत्पादों के आधातों को पैक करते, चिह्नंकित करते और लेबल लगाने की वास्तविक विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा, अर्थात्:—

(क) प्रत्येक आधान पर जिसमें कोई फल उत्पाद पैक किया गया है, अनुज्ञापन अधिकारी द्वारा समय-समय पर अनुमोदित लेबल लगे होंगे और विभिन्न फल उत्पादों के लिए विभिन्न लेबल अनुमोदित किए जा सकेंगे तथा खाद्यान्तों को पैक करने में कोई विनिर्माता ऐसे लेबल का उपयोग करेगा जो तत्काल अनुज्ञापन अधिकारी द्वारा अनुमोदित किया गया है।

(ख) जब किसी फल उत्पाद को पैक करने के लिए किसी बीतल का उपयोग किया जाता है तो उसे इस प्रकार सीलबंद किया जाएगा कि उसे उस पर लगे निम्नलिखित विशेष चिह्न को नष्ट किए बिना न तोड़ा जा सके जो बीतल के ऊपरी छिद्रे पर या गर्दन पर लगा होगा। विनिर्माण अनुज्ञप्ति संख्यांक की ऐसी बीतल के पैकेज के लेबल पर स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होगा।

(ग) जब किसी दिन, ड्रैस या अन्य आधान किसी फल उत्पाद की पैकिंग के लिए उपयोग किया जाता है तो विनिर्माता का अनुज्ञप्ति संख्यांक या सी ऐसे दिन पर लेबल पर स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया जाएगा या पर स्पष्ट रूप से समुद्भूत किया जाएगा।

(घ) प्रत्येक ऐसे आधान पर जिसमें किसी फल उत्पाद को पैक किया गया है, ऐसे फल उत्पाद के विनिर्माता के नाम और तारीख को उभराने के लिए एक संक्षिप्त संख्या विनिर्दिष्ट होगी। सी संख्या पठनीय होगी और अंग्रेजी या हिन्दी के संख्यांक वर्णमाला या दोनों में होगी। कोई अनुज्ञप्ति जारी किए जाने से पूर्व किसी विनिर्माता द्वारा एक संक्षिप्त संख्या का उपयोग किया जाएगा और उसे अनुज्ञापन अधिकारी के पास रजिस्टर किया जाएगा तथा उसमें अनुज्ञापन अधिकारी की मंजूरी के सिवाय कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा।

(ङ) लेबलों पर कोई विवरण, दावा, विज्ञापन आकृति नहीं होगी जो ऐसे फल उत्पाद के संबंध में जोर से या मात्रा के संबंध में अथवा योग्य मूल्य या उचित उत्पादों के मूल स्थान के संबंध में विनिर्दिष्ट मिथ्या भ्रामक जानकारी देने वाले हों।

(च) किसी विनिर्माता द्वारा पैक किए गए उत्पाद या तो उसके स्वयं के द्वारा निर्मित होंगे या तो द्वारा किसी अन्य अनुज्ञप्ति प्राप्त निर्माता द्वारा निर्मित होंगे।

(2) उपखण्ड 8(1) में अन्तर्लिखित उपबंधों की व्याख्या पर प्रतिशुल प्रभाव वाले दिना अनुज्ञापन अधिकारी राजपत्र प्रकाशित आदेश द्वारा पैकिंग, चिह्नंकन और आधातों पर लेबल लगाने की वास्तविक अपेक्षाओं को विहित कर सकेगा जो किसी विनिर्माता द्वारा भारत में ऐसे फल उत्पादों को निरस्त या वर्णित अथवा इस निमित्त उसके द्वारा वास्तविक किसी व्यक्ति



ऐसे आदेश के उपबन्धों का अनुपालन करते हुए विनिर्मित किए गए हों।

9. प्रत्येक विनिर्माता पूर्व अधि के दौरान उसके द्वारा विनिर्मित, विक्रय किए गए या निर्यात किए गए फल उत्पादों के प्रत्येक वर्ग की वास्तव अनुज्ञापन अधिकारी को प्रत्येक वर्ष की 31 जनवरी को प्रारूप "ग" में दो प्रतिवियों में एक विवरणी प्रस्तुत करेगा।

9क. प्रत्येक विनिर्माता जो उत्पाद-शुल्क का संदाय नहीं कर रहा है, विभिन्न कच्ची सामग्रियों की प्राप्ति की वास्तव फल और सब्जी उत्पादों के विनिर्माण में तथा प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के व्ययन में उपभोग की गई है, प्रारूप "ब" और प्रारूप "ड" में अद्यतन लेखा बनाए रखेगा।

10. कोई भी व्यक्ति, किसी ऐसे फल उत्पाद को जो दुबारी अनुसूची में विनिर्दिष्ट स्वादिष्ट मानक और संरचना के अनुसूच्य न हो या जो इस आदेश में अधिकृत रीति में चिह्नित या लेबल न किया गया हो, विक्रय या प्रेषण या परिदान के लिए किसी अधिकारी या दयाल को विक्रय या प्रदर्शित नहीं करेगा।

परन्तु यह रीति, चिह्निकन और लेबल लगाने की वास्तव खण्ड 8 के उपबन्ध, देश के बाहर से निर्यात किए गए उत्पादों को लागू नहीं होंगे।

11. (1) किसी ऐसे पेय को, जिसमें उसकी संरचना में फलों का रस कम से कम पच्चीस प्रतिशत नहीं है, किसी फल, सिरप, फल के रस, स्वरस या कार्बोनाट अथवा क्रश के रूप में वर्णित नहीं किया जाएगा और उसे संश्लिष्ट सिरप के रूप में वर्णित किया जाएगा।

(2) संश्लिष्ट सिरका, पैप, सिरप, गरवत और फल और सखियों से सहयोगित अन्य उत्पादों के लेबल पर स्पष्ट रूप से और सहजदृश्य स्थान पर संश्लिष्ट चिह्नित किया जाएगा। "संश्लिष्ट" शब्द का जहाँ भी प्रयोग किया जाता है, स्पष्ट अक्षरों में होगा और उसके अक्षरों का आकार और रंग वही होगा जो उसके उत्पाद के नाम के लिए प्रयोग किया गया है तथा इसके ठीक पश्चात् उसका नाम होगा। किसी ऐसे उत्पाद के आधान पर कोई ऐसी वस्तु सूचित नहीं होगी या उस पर लेबल नहीं लगा होगा जो उपभोक्ता को यह याद दिलाए कि यह एक फल उत्पाद है न ही "फल" शब्द को किसी ऐसे उत्पाद का वर्णन करने के लिए उपयोग किया जाएगा और न ही ऐसे लेबल पर इसे बेचा जाएगा जिस पर किसी फल का कोई चित्र बना हो।

(3) फलों का रस या फलों की लुगदी अथवा फलों के रस अथवा फलों की लुगदी के इस प्रतिशत से अपूर्ण वाता मधुरित वातित जल पर स्पष्ट रूप से और लेबल के सहजदृश्य स्थान पर इस भाग का कि इसमें कोई फल रस या फल की लुगदी नहीं है, चिह्नित होगा। उस वक्ता में भी जहाँ इंग्रिस सुरुचिक का प्रयोग किया गया है, इंग्रिस-रूप से सुरुचिक शब्द को भी जोड़ा जाएगा। किसी भी माध्यम से मधुरित वातित जल के लिए किया गया कोई प्रकार या विज्ञापन इस तथ्य को सहजदृश्य रूप में

स्पष्ट और प्रदर्शित करेगा कि इन उत्पादों में कोई फल रस या फल लुगदी नहीं है।

12. प्रत्येक ऐसा विनिर्माता जिसको इस आदेश के किसी उपबन्ध के अनुसरण में कोई निदेश या आदेश दिया गया है, ऐसे निदेश या आदेश का पालन करने के लिए आवद्ध होगा और ऐसे निदेश या आदेश का अनुपालन करने में विनिर्माता की ओर से किसी असफलता को इस आदेश के उपबन्धों का उल्लंघन समझा जाएगा।

13. अनुज्ञापन अधिकारी या उसकी ओर से इस विनिर्माण प्राधिकृत कोई अधिकारी इस आदेश के अनुपालन को सुनिश्चित करने के विचार से—

(क) किसी व्यक्ति से विनिर्माण और उसके द्वारा विनिर्मित किसी फल उत्पाद के व्ययन की वास्तव उसके कब्जे में कोई सूचना को देने की अपेक्षा कर सकेगा;

(ख) स्वयं का इस बात से समाधान करने के लिए कि इस आदेश की अपेक्षाओं का अनुपालन किया जा रहा है, किसी भी समय किसी अनुज्ञापितधारी या विनिर्माता के परिसरों में प्रवेश कर सकेगा और निरीक्षण कर सकेगा; और

(i) कोई समुचित रसीद देने पर, इस आदेश के उपबन्धों के अनुसरण से भिन्न, विनिर्मित, चिह्निकित, पैक किए गए या लेबल लगाए गए या इस आदेश के उपबन्धों के उल्लंघन, आधुनिक, विनिर्मित, चिह्निकित, पैक किए गए या लेबल लगाए गए विन्हीं फल उत्पादों को कब्जे में ले सकेगा या रोक सकेगा;

(ii) समुचित रसीद देने पर, ऐसे फल उत्पादों के निर्यात की वास्तव निश्चय करने का यह कारण है कि उनके संबंध में आदेश का उल्लंघन हुआ है, कच्ची सामग्री, दस्तावेज, लेखा बहिषां या अन्य सुसंगत तथ्य कब्जे में ले सकेगा या रोक सकेगा;

(iii) इस प्रकार कब्जे में लिए गए या रोके गए सभी फल उत्पादों या कच्ची सामग्रियों का ऐसी रीति में बहन कर सकेगा जैसा वह उचित समझे।

(ग) फल उत्पादों के विनिर्माण और व्ययन से संबंधित किसी अनुज्ञापितधारी को किसी पुस्तिका या अन्य दस्तावेजों का निरीक्षण कर सकेगा;

(घ) संदाय करने पर, विक्रय के लिए आधुनिक या प्रदर्शित अथवा विक्रीत या किसी व्योहारी अधिकारी या बलाल को विक्रय के प्रयोजन के लिए प्रेषणाधीन या परिदान के लिए संग्रहण कर सकेगा और ऐसे नमूनों को अनुज्ञापन अधिकारी द्वारा इस प्रयोजन के लिए चयनित प्रयोगशाला में विश्लेषण कराएगा;

(ङ) विनिर्माता के अनुज्ञापितधारी से, कोई समुचित रसीद देकर निःशुल्क फल उत्पादों के नमूने या कोई रसायन, रंजक अथवा कोई अन्य तपटक जो ऐसे फल उत्पादों की विनिर्माण में उपयोग किया जाता है, ऐसे अनुज्ञापितधारी या विनिर्माता के परिसरों से संग्रह कर सकेगा जिसकी वास्तव

उसका यह विश्वास करने का कारण है कि आदेश का उल्लंघन हुआ है;

(च) किन्हीं फल उत्पादों के विक्रय या विनिर्माण को किसी लिखित आदेश द्वारा प्रतिषिद्ध कर सवेगा जिसकी शकल उसके पास यह विश्वास करने का कारण है कि व्याहारी की ओर से और साथ ही विनिर्माता की ओर से इस आदेश का उल्लंघन हुआ है।

14. कोई भी व्यक्ति किसी जानकारी को देने से इंकार नहीं करेगा जिसकी देने के लिए वह विधिक रूप से लायक है और जिसकी उसके, इस आदेश के उपबन्धों के अधीन विधिक रूप से भाग की जाती है अथवा इस आदेश के उपबन्धों से बचने के विचार से किसी पुस्तक या अन्य दस्तावेज को रद्द, नष्ट, विरुद्ध या विरहित नहीं करेगा।

15. इस आदेश के किसी उपबन्ध के उल्लंघन के लिए, अनुज्ञापन अधिकारी की पूर्ण मंजूरी के बिना कोई अभियोजन संस्थित नहीं किया जाएगा।

16. इस आदेश की कोई बात किसी ऐसे सिरण को लागू हुई नहीं समझी जाएगी,—

(i) (क) जिसमें औषधीय उपयोग के लिए फलों का रस है;

(ख) जिसे एनोर्पथिक, आयुर्वेदिक, कुमारी या किसी अन्य पद्धति या औषधि के अनुसरण में तैयार किया गया है; और

(ग) जिसका ऐसे लेबल लगी बोतल में, जिस पर "केवल औषधीय उपयोग के लिए" शब्द लिखे हों, विक्रय किया जाता है और जिस पर फलों का कोई चित्र प्रदर्शित न हो;

(ii) किसी एक अवधि के दौरान एक हजार किलो-ग्राम से अनधिक मात्रा में किसी गैर नगरपालिक क्षेत्र में विनिर्मित कोई फल उत्पाद;

(iii) किसी संस्था, महाविद्यालय और प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा प्रदर्शन और प्रशिक्षण के प्रयोजन के लिए और न कि वाणिज्यिक आधार पर विक्रय के लिए उत्पादित कोई फल उत्पाद;

(iv) किसी विद्युत शक्ति के बिना विनिर्मित कोई शक्ति।

पहली अनुसूची

प्रकार 'क'

[खण्ड 5(1) देखिए]

फल उत्पाद आदेश, 1955 के अधीन अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन

1. आवेदक का नाम और पता—

(1क) प्रकृत निदेशक, निदेशकों, स्वामियों, भागिदारों या वि के नाम \_\_\_\_\_

2. कारखाने/फर्म का पता \_\_\_\_\_

(2क) तैयार उत्पादों के गोदामों/भण्डारों का पता—

3. उन फल उत्पादों का वर्णन जिनका आवेदक विनिर्माण करता चाहता है। उन पर पुनः लेबल लगाना चाहता है।

4. अवधि जिसके लिए अनुज्ञप्ति अपेक्षित है।

5. कारखाने का स्थान और उपकरणों की सूची।

6. (क) क्या फल के उत्पादों के विनिर्माण में विद्युत शक्ति का उपयोग किया जाता है।

(ख) प्रति आठ घंटे की पारी की प्रतिस्थापित श्रमता।

7. पूर्व वर्ष के दौरान संवत् अनुज्ञप्ति फीस।

8. पूर्व वर्ष के दौरान विनिर्मित/पुनः लेबल लगाए गए फल उत्पादों की कुल शीघत।

9. मैं/हम फल उत्पाद आदेश, 1955 के उपबन्धों के अनुपालन करने का बचन देता हूँ/देते हैं।

10. मैंने/हमने फल उत्पाद आदेश, 1955 के उपबन्धों के अनुसार संवत् अनुज्ञप्ति फीस के संबंध में \_\_\_\_\_ रु० की राशि भेज दी है।

आवेदक(कों) के हस्ताक्षर

जिसे लागू न हों, उसे काट दें।

प्रकार 'ख'

(खण्ड 4 देखिए)

भारत सरकार

शास्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय

(संप्रतीक)

फल उत्पाद आदेश, 1955 के अधीन अनुज्ञप्ति

अनुज्ञप्ति सं० फ०उ०आ०—

1. अनुज्ञप्तिधारी का नाम और पता।

2. विनिर्माण/पुनः लेबल लगाने के लिए प्राधिकृत परिसरों का पता।

3. परिसरों में परिवर्तन, यदि कोई हों।

फल उत्पाद आदेश, 1955 के उपबन्धों के अधीन अनुज्ञप्ति मंजूर की गई है और उनके अधीन है जिनमें से सबका अनुज्ञप्तिधारी द्वारा अनुपालन किया जाना चाहिए।

अनुज्ञप्ति अधिकारी

निदेशक (फल और सब्जी परिरक्षण)

शास्य विभाग

स्थान :  
तारीख :

**विधिमाम्यकरण और नवीकरण**

विधिमाम्यता की अवधि	फल उत्पादों की गर्दों को निम्नलिखित के लिए प्राधिकृत है-	अनुज्ञप्ति का प्रवर्ग	संदर्भ अनुज्ञप्ति शीत	अनुज्ञापन अधिकारी के हस्ताक्षर
	विनिर्माण	पुनः निवेश अधिनियम		

**प्रारूप 'ग'**

[खण्ड 9 देखिए]

- |   |  |
|---|--|
| 1. अनुज्ञप्तिधारी का नाम और पता                             | 3. फल उत्पाद आदेश अनुज्ञप्ति सं०   |
| 2. फल उत्पादों के विनिर्माण के लिए प्राधिकृत परिसरों का पता | अवधि के दौरान किलोग्राम में विनिर्मित फल और सब्जी उत्पादों की मात्रा और उनका विक्रय मूल्य दर्शित करने वाला विवरण |

क्रम संख्या	फल उत्पाद का नाम	बिस्का या बोटल का आकार	मात्रा किलोग्राम में	प्रति किलोग्राम या पैकेज का प्रति प्रतिशत विक्रय मूल्य
1	2	3	4	5

कीमत	निर्वात की गई मात्रा (किलो-ग्राम में)	बैक या निर्वात पत्र का नाम	पैकेज की प्रति किलोग्राम या प्रति प्रतिशत दर सी० आई०एफ०/एफ०ओ०पी०]	कीमत	टिप्पणियां
6	7	8	9	10	11

अनुज्ञप्तिधारी के हस्ताक्षर

विशेष अनुज्ञप्तिधारी द्वारा उपर्युक्त सारणी के प्रारूप में निरीक्षण के लिए एक रजिस्टर बनाए रखा जाएगा ।

**प्रारूप 'ग1'**

[खण्ड 9 देखिए]

- |   |  |
|---|--|
| 1. अनुज्ञप्तिधारी का नाम और पता                             | 3. फल उत्पाद आदेश अनुज्ञप्ति सं०   |
| 2. फल उत्पादों के विनिर्माण के लिए प्राधिकृत परिसरों का पता | अवधि के दौरान किलोग्राम में विनिर्मित फल और सब्जी उत्पादों की मात्रा और उनका विक्रय मूल्य दर्शित करने वाला विवरण |

क्रम संख्या	विनिर्माता का नाम	फल उत्पाद का नाम	बैक का आकार	मात्रा किलोग्राम में (उतः निवेश अधिनियम)	मात्रा किलोग्राम में (विक्रय किया गया)
1	2	3	4	5	6

पैकेज का प्रति प्रतिशत मूल्य	कीमत	निर्वात की गई मात्रा (किलोग्राम में)	बैक या निर्वात पत्र का नाम	पैकेज की प्रति किलोग्राम या प्रति प्रतिशत दर सी० आई०एफ०/एफ०ओ०पी०	कीमत	टिप्पणियां
7	8	9	10	11	12	13

अनुज्ञप्तिधारी के हस्ताक्षर



प्ररूप 'घ'  
(खण्ड 9क देखिए)

वैनिक उत्पादन रजिस्टर

(उत्पादों के विभिन्न प्रकारों के लिए पृथक् पृथक् आर्बित किया जाएगा)

क्रम सं०	शारीर	विनिर्मित उत्पादों का नाम	आवश्यक कच्ची सामग्री/उपयोग किए गए फल/सब्जी				किलोग्राम में
			फल/सब्जी का नाम	की गई मात्रा (किलोग्राम में)	तैयार सामग्री (किलोग्राम में)		
1	2	3	4	5	6	7	
उपरोक्त की गई अन्य सामग्री, जैसे खाद/दूध/अम्ल, पैकेटिंग		विनिर्मित उत्पादों की मात्रा	प्रतिनिर्देश स्टॉक रजिस्टर		टिप्पणियाँ		
	पैक का साइज	यूनिट की सं०	किलोग्राम	शारीर	प्रतिदिन		
8	9	10	11	12	13	14	

प्ररूप 'ङ'

(खण्ड 9क देखिए)

स्टॉक रजिस्टर

(फल उत्पादों के विभिन्न प्रकारों के लिए पृथक् पृथक् आर्बित किया जाएगा)

प्राप्तियाँ					
शारीर	हस्तागत स्टॉक (किलो-ग्राम में)	प्राप्ति की विविधियाँ (उत्पादन रजिस्टर का प्रतिनिर्देश)		प्राप्त स्टॉक (किलोग्राम)	कुल स्टॉक (किलोग्राम)
		शारीर	प्रतिदिन		
1	2	3	4	5	6
निपटान					
निपटान किया गया स्टॉक (किलोग्राम)		निपटान की विविधियाँ (बीजक/लकड़ें, पैकेटिंग सं० और शारीर)		व्यय किलोग्राम	टिप्पणियाँ
7		8		9	10

दूसरी अनुसूची

(खण्ड 7 और खण्ड 10 देखिए)

भाग 1(क)

फल उत्पादों का विनिर्माण करने वाले किसी कारखाने की स्वच्छता अपेक्षाएं

स्थान, जहाँ फल उत्पादों का विनिर्माण किया जाता है (जिसे इसमें इसके पश्चात् कारखाना कहा गया है) निम्नलिखित अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा और अनुज्ञापन अधिकारी को राय में उस/उन मद/मदों का विनिर्माण करने के लिए जिसके लिए विनिर्माणकर्ता को अनुज्ञापन मंजूर की गई है, उपयुक्त होगा।

1. परिसर स्वच्छ, पर्याप्त रूप से प्रकाशित और निर्दिष्ट होंगे तथा उनकी सफाई की जाएगी, यदि अपेक्षित हो, उन

पर सफेदी या उन पर रंग या गैट किया जाएगा अथवा उनके विद्यमान या विरजित किया जाएगा।

2. खिड़की, दरवाजे और अन्य बाह्य को खुलने वाले स्थान जिन पर पर्दे लगे होंगे, मक्खी रोधी होंगे। दरवाजों पर स्थित लगे होंगे जिससे कि वे स्वतः बन्द हो सकें।

3. फल उत्पादों के विनिर्माण के लिए अनुमोदित उपकरण और विनिर्माणकारी परिसर का, नोबे दी गई शर्तों के सिवाय,



फल उत्पादकों के विनिर्माण के विरुद्ध अन्य उत्पादों का विनिर्माण करने के लिए उपयोग नहीं किया जाएगा :

यदि अनुमान परिवार का फल उत्पादों और मछली, मांस और अंडों के उत्पादों के विनिर्माण के लिए उपयोग किया जाता है तो मछली, मांस या अंडों के उत्पादों के विनिर्माण से फल उत्पादों में परिवर्तन करने के बीच कम से कम एक मास का अन्तर होगा ।

स्वच्छीकरण—मछली, मांस और अंडों के उत्पाद से फल उत्पादों में परिवर्तन करने की प्रस्तावित तारीख की संबंधित प्रादेशिक अधिकारी को लिखित में सूचना दी जाएगी और बाहर के कारखानों की दशा में यह सूचना रजिस्ट्रीकृत पत्र द्वारा दी जानी होगी ।

4. परिवार स्वच्छ स्थान पर अवस्थित होंगे और आस-पास होने वाली गन्दगी से मुक्त होंगे ।

5. सभी घाटे, अतिथि गृह, भण्डार और परिवार के सभी पहुंच स्थान साफ और स्वच्छता से रक्षे जाएंगे ।

6. प्राधिकृत परिवारों का सन्निर्माण इस प्रकार किया जाएगा या उन्हें इस प्रकार बनाए रखा जाएगा कि उनमें उत्पादन स्वच्छता-पूर्ण ढंग से हो सके और उत्पादों को तैयार करने या पैक करने के संबंध में सभी संकल्प आवश्यकताओं से समय-समय पर संशोधित और उदात्तित कारखाना अधिनियम, 1934 में अधिकृत स्वच्छता कर्तों का कड़ाई से पालन किया जाए ।

7. बिना उपस्कर और मशीनरी को लगाया जाता है वे ऐसे डिजाइन की होंगी कि उनको आसानी से साफ किया जा सके । वाहनों, मेज, मशीनरी के कार्यकारी भागों, यांत्रिकी कड़ाई के लिए पर्याप्त व्यवस्था की जाएगी ।

8. कोई भी ऐसा तौल, आवाहन या अन्य उपकरण जिसके उपयोग करने से उसमें ऐसा घातक संक्षुब्ध होने की संभावना है जो स्वास्थ्य के लिए हानिकर है (फल से रस तैयार करने, उसको पैकिंग और भण्डारण के लिए उपयोग नहीं किया जाएगा तांबे या पीतल के बर्तन हमेशा बंद रखे । कोई भी लोह या गाल्वनीकृत लोह फल उत्पादों के संपर्क में नहीं जाएगा) ।

9. विनिर्माण के लिए उपयोग किया जाने वाला जल सुभेय होना और यदि अनुमान अधिकारी द्वारा अपेक्षित हो तो उसकी किसी मान्यताप्राप्त प्रयोगशाला द्वारा रासायनिक और जैविक रूप से जांच कराई जाएगी । विनिर्माता इस प्रकार के विश्लेषण पर होने वाली लागत को वहन करेगा ।

10. निम्नलिखित प्रमाणी पर्याप्त होगी और अवशिष्ट व्ययन के लिए पर्याप्त व्यवस्था होगी ।

11. जहां पांच या पांच से अधिक स्त्री या पुरुष कर्मचारी नियोजित किए जाते हैं वहां स्त्री और पुरुष के लिए पर्याप्त संख्या में निम्न प्रकार के कमरों की व्यवस्था की जाएगी :

कर्मचारियों की संख्या	शौचा-लयों की संख्या	शाम-वेसिन की संख्या
25 तक	1	1
25 से 49 तक	2	2
50 से 100 तक	3	3
100 से अधिक	5	5

12. जहां खाना बनाया जाता है या आग जलाई जाती है वहां सुएं और कालिख को निकालने की समुचित व्यवस्था की जाएगी ।

13. रोग संचार या सांक्रमिक बीमारी से पीड़ित किसी व्यक्ति को कारखाने में कार्य करने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा । फल उत्पादों के विनिर्माण में लगे सभी कर्मचारों की एक वर्ष में एक बार चिकित्सीय रूप से जांच कराई जाएगी जिससे कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे रोग संचार, सांक्रमिक बीमारी और अन्य बीमारियों से मुक्त हैं । किसी रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायी द्वारा हस्ताक्षरित इस जांच का अभिलेख निरीक्षण के लिए रखा जाएगा ।

फल उत्पादों के विनिर्माण में लगे कर्मचारों का आहत समूह की बीमारियों के लिए और चेक के लिए वर्ष में एक बार टीकाकरण किया जाएगा और उसका प्रमाणपत्र निरीक्षण के लिए रखा जाएगा ।

महामारी की दशा में सभी कर्मचारों का आवद्धकर या टीकाकरण किया जाएगा ।

14. प्रसंस्करण और निर्मित में कार्य कर रहे सभी कर्मचारों को समुचित अप्रेन और तिरके पहनाने उपलब्ध कराए जाएंगे जो स्वच्छ होंगे । प्रबंधक तंत यह भी देखेगा कि सभी कर्मचार साफ, स्वच्छ और चुस्त हैं ।

भाग 1 (ख)

कारखानों को निम्नलिखित रूप में प्रवर्गीकृत किया जाएगा :

(क) प्रतिदिन फल उत्पादों को दो मीट्रिक टनों से अधिक की या 250 मीट्रिक टन से अधिक की वार्षिक उत्पादन वाले बड़े कारखाने ।

(ख) प्रतिदिन फल उत्पादन के दो मीट्रिक टन तक या पचास मीट्रिक टन से अधिक के वार्षिक उत्पादन वाले और 250 टन से अधिक की उत्पादन की क्षमता वाले लघु कारखाने ।

(ग) दस टन से अधिक किंतु पचास टन से अल्प की फल उत्पादन के वार्षिक उत्पादन वाले कुटीर उद्योग ।

(घ) दस मीट्रिक टन से अधिक के सिंबारब सक्चियों के सिवाय फल उत्पादों के कुल वार्षिकी उत्पादन वाले गृह कारखाने ।

गृह कारखाने और लघु कारखाने आगे प्रवर्ग (क) और प्रवर्ग (ख) के रूप में निम्न प्रकार से सगृहीकृत किए जाएंगे :

**गृह कारखाने—प्रवर्ग (क)—**इस आदेश के अधीन अनुज्ञप्त फर्मों को विक्रय के लिए आम पापड़ के विनिर्माण के लिए कच्चे आगों को छोड़ने, काटने और लाने के लिए प्राचीण क्षेत्रों में प्रवर्तनशील प्राथमिक प्रसंस्करण एकक का वार्षिक उत्पादन पांच टन से अधिक नहीं होगा ।

**गृह कारखाने—प्रवर्ग (ख)—**इस टन से अधिक डिब्बा बंद सस्त्रियों के सिवाय फल उत्पादों के कुल वार्षिक उत्पादन के कारखाने ।

**लघु कारखाने—प्रवर्ग (ख)—**फल उत्पादों के विनिर्माण के लिए अनुज्ञप्त ऐसे कारखाने जिनकी क्षमता प्रतिदिन एक टन से अधिक है और वार्षिक उत्पादन पचास टन से लेकर 100 टन तक है ।

**लघु कारखाने—प्रवर्ग (ख)—**फल उत्पादों के विनिर्माण के लिए अनुज्ञप्त ऐसे कारखानों जिनकी प्रतिस्थापित दैनिक क्षमता दो टन से अधिक है और उनका वार्षिक उत्पादन 100 टन से लेकर 250 टन तक है ।

ऊपर उल्लिखित प्रवर्गों के अधीन अनुज्ञप्ति निम्नलिखित शोक्षाओं का पालन करेंगी :

**जल**

प्रत्येक अनुज्ञप्तिधारी प्रतिदिन एक किलोलीटर सुपेय जल की व्यवस्था करना और उत्पादन के अनुसार उतकी उपलब्धता बढ़ाई जाएगी । प्रसंस्करण हाल में जल के निर्मुक्त बहाव का प्रदाय उपलब्ध कराया जाएगा ।

**संभारण स्थल अपेक्षाएं**

ताजे फल, सब्जियां, तैयार उत्पादों और अन्य कच्ची सामग्रियों के संभारण के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध कराया जाएगा ।

संभारण और कार्यस्थल से भिन्न निर्माण परिसरों का न्यूनतम क्षेत्र

(1) गृह उद्योग

(i) प्रवर्ग (क)

(क) 5 कर्मचारों से अधिक 10 वर्ग या एक मीटर

(ख) 6 से 10 कर्मचारों तक या एकक 20 वर्ग मीटर

(ii) प्रवर्ग (ख) 25 वर्ग मीटर

(2) कुटीर उद्योग 60 वर्ग मीटर

(3) लघु उद्योग

(i) प्रवर्ग (क) 100 वर्ग मीटर

(ii) प्रवर्ग (ख) 150 वर्ग मीटर

(4) बड़े उद्योग 300 वर्ग मीटर

(मशीनरी के अधिभाग वाला क्षेत्र निर्माणकारी क्षेत्र पचास प्रतिशत से अधिक नहीं होगा)

**तकनीकी कर्मचारीवृद्ध और प्रयोगशाला उपस्कर बड़े उद्योग**

फल उत्पादों के विनिर्माण का एक रासायनज्ञ द्वारा पर्यवेक्षण किया जाएगा जिसके पास निम्नलिखित अर्हताएं होंगी :

(क) आद्य प्रौद्योगिकी या रासायनिक इंजीनियरिंग सहित बी० एस० सी० (तकनीकी) और किसी परिरक्षण कारखाने में कम से कम एक वर्ष का अनुभव ।

(ख) किसी मान्यताप्राप्त संस्था से फल प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा या कच्चेमैदारी पोलोटैक्नीकी या केरल सरकार के पोलोटैक्नीकी से फल परिरक्षण में डिप्लोमा सहित बी० एस० सी० ।

(ग) बी०एस०सी० जिसमें रसायन या कृषि किसी एक विषय के रूप में हो रहा हो और किसी फल और सब्जी परिरक्षण कारखाने में तीन वर्षों का व्यावहारिक अनुभव ।

कारखाना सुसज्जित होगा जिसमें उस आदेश की दूरी अनुसूची के अधीन अधिकतम विनिर्देशों के अनुसार में फल उत्पादों के विश्लेषण के लिए पर्याप्त सुविधाओं सहित 20 वर्ग मीटर तल क्षेत्र होगा ।

**लघु उद्योग**

(क) बी० एस० सी० जिसमें रसायन या कृषि एक विषय के रूप में रहा हो ।

(ख) फल परिरक्षण में कोई डिप्लोमा या प्रमाणपत्र अथवा कम से कम तीन मास की अवधि का कोई प्रमाणपत्र ।

**मशीनरी और उपस्कर के संबंध में न्यूनतम अपेक्षाएं**

क्रम सं०	संख्या	कुटीर और लघु उद्योग	बड़े उद्योग
1.	(क) कच्ची सामग्रियों की धुलाई	सीमेंट और एल्यूमीनियम के धातु के दो आयताकार टैंक जिसकी फर्श पेंसी हो । विमाणः 1 × 0.75 × 0.75 मी०	सीमेंट या एल्यूमीनियम धातु तीन या तीन से अधिक आयताकार टैंक जिनकी फर्श पेंसी हो । विमाणः 1 × 0.75 × 0.75 मीटर या एक गणितीय बराबर ।

क्रम सं०	संक्रिया	कुटीर और लघु उद्योग	नये उद्योग
	(ख) बोटल की धुलाई	1. बोटल, वाशिंग मशीन 2. बोटल रखने के लिए रैक	1. बोटल, वाशिंग मशीन 2. बोटलों को रखने और ले जाने के लिए ट्रॉलियाँ ।
2.	कल और सखियों की विनिधि	1. एल्युमीनियम या जंगरोधी हस्तात या अर्धव्यारक सामग्री के ऊपरी हिस्से वाली 5 वर्ग मीटर क्षेत्र की मेज 2. जंगरोधी हस्तात के छीलने, काटने, छठारने और काँच के लिए चाकू 3. संसाधन और निष्कासन के लिए प्रयोग किए जाने वाले लकड़ी के काट या सीमेंट के टैंक को समाप्त रूप से डके हुए होने चाहिए । 4. एल्युमीनियम या जंगरोधी हस्तात के 12 से बन्पुन टैंक ।	1. एल्युमीनियम या जंगरोधी हस्तात या अर्धव्यारक सामग्री के ऊपरी हिस्से वाली 10 वर्ग मीटर क्षेत्र की मेज, पर्याप्त प्रशहणी पेटी । 2. जंगरोधी हस्तात के काँच, पराकार काटने के चाकू और काटने की मशीन/उपकरण । 3. संसाधन और निष्कासन के लिए लकड़ी के काट या सीमेंट के टैंक, अनुचित जगहों सहित । 4. एल्युमीनियम या जंगरोधी हस्तात के पत्राक्ष से बन्पुन टैंक ।
3.	रस की लुग्दी बनाना और जवाका मिश्रण तैयार करना	1. रस निष्कर्षक या बाल्केट/श्रेय बनाना योजित उपकरण 2. जंगरोधी हस्तात या एल्युमीनियम की छलनी 3. 100 लीटर से बन्पुन क्षमता का एल्युमीनियम या जंगरोधी हस्तात का ड्रम 4. जंगरोधी हस्तात या एल्युमीनियम की बाल्टियाँ 5. टगाटर क्लिपों और भाग की लुग्दी के लिए लुग्दी कारिल ।	1. विद्युत चालित निष्कर्षक या हाइड्रोलिक श्रेय 2. लुग्दी तैयार करने की मशीन 3. अर्धव्यारक जंगरोधी टैंक निम्नो कुल क्षमता 500 लीटर से बन्पुन हो ।
4.	लुग्दा	1. नाम बकेट कटल या गैस कुर्किंग सहित बॉम्बलर 1. (क) कच्चे कोयले वा किसी ईन्धन वाला कोयला जिनमें कुछ निकलने की सम्भिल व्यवस्था हो । 2. परमाँमीटर और हाइड्रोमीटर 3. रफेड्रोमीटर	1. शैवलर 2. नाम बकेट कटल 3. परमाँमीटर 4. परिवर्तकों के लिए सुवाही युक्त 5. रफेड्रोमीटर 6. नितांत्रित बिरके लिए प्रास्ते-रोदारक
5.	भरना और सील खनाना	1. बोटल भरने की मशीन 2. बोटल पर सील लगाने की मशीन 3. काचन काँच लगाने की मशीन 4. भार तोलक	1. बोटल भरने की मशीन 2. बोटल पर रॉल लगाने की मशीन 3. भारे काँच की काँच लगाने की मशीन 4. तौलन की मशीन



क्र. सं.	विवरण	कुटीर और तम्बू तयारी	बड़े तम्बू
6.	डिब्बा बंद और बोलल के लिए निर्वात तीन तम्बू और प्रसंस्करण	1. निर्वात के लिए पेंटी अष्टाईक 2. अर्ध स्वपातित रोहरा सीमर 3. कुक्षिप टैंक 4. प्रतिप्रभार न्यूनतम 100 2. 1/2 डिब्बों की भवना क्षमता 5. वाह का परीक्षण किया जा सकता है	1. विधीत तैयारी 2. अर्ध स्वपातित रोहरा सी 3. कुक्षिप टैंक (प्रतीक क्षमता) 4. प्रति प्रभार 2502.1 डिब्बों की भवना क्षमता 5. वाह का परीक्षण किया जा सकता है

भाग 2

फल रस, लुगदी सांद्रण, स्वदेश कोर्डियल, कश, फल सीरप, नैक्टर, फल रस या लुगदी और परोलने के लिए तैयार पेयों वाला वातित जल

उत्पाद	किस्म	विशेष तालिका		साधारण न्यूनतम
		अंतिम उत्पाद में कुल पिचप कोश की स्थापन प्रति-एतता	अंतिम उत्पाद में फल रस को न्यूनतम प्रति-एतता	
फल सीरप	कोई समुचित प्रकार या किस्म	65	25	फल रस वातित इन उत्पाद होगा जो फल फलों से तैयार किया हुआ होना और विधान लुगदी या अन्य कोषकीय भाग होने को फलों के प्राकृतिक भाग है। सामान्य, स्वदेश और
फल	यथोक्त	55	25	फल में फल की लुगदी होगी। कोर्डियल प्रमा
स्वदेश	यथोक्त	40	25	विना रस में उपकर मिलाकर तैयार किया गया साफ अंतिम उत्पाद होगा जो लुगदी और
कोर्डियल	यथोक्त	30	25	कम कोषकीय पदार्थ का घाम होगा। केवल यह पदार्थ जो फल रस या लुगदी में मिलाया
अनसुचित रस	यथोक्त	प्राकृतिक	100	या कचना केवल नम, चिनको का रस, फल की रस और लुगदी होनी साधारण नमक, उपकर, प्रतिक्रियित और/वा प्रत्य न्यूनतम, एल्कोहल अम्ल सोडियम अम्ल अनुपात रस और परिष्कार। तैयार उत्पाद में अम्लता, मुदा नमक रस या लुगदी में 4 प्रतिशत से कम नहीं होनी और मुदा नम
समुचित रस	यथोक्त	10	85	रस की घना में 5 प्रतिशत से कम नहीं होगी किन्तु अन्य रस, अम, स्वदेश, सीरप अम्लीय सोडियम अम्ल के रूप में 3.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।
परोलने के लिए तैयार फल मेम लिटम फल रस या लुगदी या फल जल सम्मिलित है	यथोक्त	10	10	डिब्बा बंद लुगदी या रस में अनुसूत तन पर कोई कार्यात्मक भार बहित नहीं करेगा। डिब्बा बंद का मोतन में लुगदी या रस कोई, जब उसको 37 डिग्री सेल्सियस पर एक घण्टा के लिए कम्पातित किया जाता है कोई भी वायु उत्पत्ति के लक्षण बहित नहीं करेगा। डिब्बा बंद लुगदी या रस में कोई परिवर्तन नहीं होगा।



उत्पाद	किसम	विशेष लक्षण	साधारण लक्षण
		अंतिम उत्पाद में कुल घिलन दोष की न्यूनतम प्रति-शतता	अंतिम उत्पाद में फल रस की न्यूनतम प्रति-शतता
फल नैक्टर	कोई समुचित प्रकार और किसम	15	20
			तैयार उत्पादन में एक अच्छा नुस्खीक होगा और यह किसी आक्षेपित रोग और धुस्कीक से मुक्त होगा यह अच्छी भवातिती का होगा और इसमें कोई डिफिन के लक्षण नहीं होंगे। परी-छने के लिए तैयार वेप कार्बोनेटिव होगा। जब उसे हिमशीतित किया जाता है तो यह उत्पाद सार्द्व खवैय या आईस क्रोडियल के रूप में वर्णित किया जा सकेगा जो उसके फल के नाम जैसे आईस ओरेय स्वेड और उसी प्रकार के नामों से ज्ञात होगा।
फल रस घाण्ड	पर्याप्त	32	100
			आम रस की दसा में 45 प्रतिशत बल निक्षार्य जा सकेगा यदि उसे भेज पर घोषित किया जाता है। सायड निवेडिन या कर्बोनिन से मुक्त होगा और नारंगी सायड की दसा नुगरी में अंतर्वेष्टु 40 प्रतिशत आयतन/आयतन से अधिक नहीं होगा।
			परीचने के लिए तैयार वेपों की दसा में फल रस की भीन् की प्रतिशतता 5 प्रतिशत हो सकेगी।

भाग 2क

फल नैक्टर के लिए विनिर्देश

उत्पाद	किसम	विशेष लक्षण	साधारण लक्षण
		अंतिम उत्पाद में कुल घिलन दोष की न्यूनतम प्रति-शतता	अंतिम उत्पाद में फल रस की न्यूनतम प्रति-शतता
फल नैक्टर (नारंगी और अनानास नैक्टर को छोड़कर)	कोई समुचित प्रकार और किसम	15	20
			नैक्टर सुगंधी जो पूरी तरह फके, साबुत फलों से तैयार की हुई होगी, तैयार किया जाएगा। तैयार उत्पाद अच्छा, एक समान रस और सुगंधी या अथवा कोषकीय पदार्थों के अनुकर्य होंगे जो फल के प्राकृतिक भाग से लिए हुए होंगे। सुगंधी, रस में केवल बल, शनकर, प्रतिक्षोषित प्रभार या इन्ध सुगंधी या एस्कार्बोनिन अम्ल, सोडिक अम्ल मिलाया जा सकेगा।
नारंगी और अनानास	पर्याप्त	15	40
			घोटिक अम्ल और एस्कोहेल अंतर्वेष्टु के रूप में उत्पाद की अम्लता कमः 1.5 और 0.1 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगी। इसमें कोई परि-रसक, कृत्रिम रंग और गंधित पदार्थ नहीं मिला होगा। तैयार उत्पाद में कमी की

उत्पाद	किसम	विशेष लक्षण	साधारण लक्षण
		अंतिम उत्पाद में कुल विनय शेष की प्रति-शतता	अंतिम उत्पाद में फल रस की स्थूलतम प्रति-शतता
			सांख्यिक सुदृढि होगी और वे इन हुए आक्षेपीय धब्बों और गंध से मुक्त होंगे वे भारवे और अन्य फल कीटों से मुक्त होंगे उत्पाद जब किन्ना बंद किए जाते हैं तो उन कोई समुद्र तट पर सजायात्मक प्रायः दमि नहीं करेगा और उनमें एक सप्ताह 37 डिग्री सेल्सियस पर सम्भावित करने कोई जीवाणु उत्पादित के लक्षण बखित नहीं होंगे।

भाग 2ख

डिब्बा बंद आम लुगदी (प्राकृतिक) के लिए विनिर्देश

उत्पाद	किसम	कुल विनय शेष	शेष	साधारण लक्षण
आम की लुगदी	आम की कोई समुचित किसम	12 प्रतिशत से अधिक		आम की लुगदी सावत और पके हुए फल से निर्धारित की जाएगी। इसमें वे सांख्यिक सुदृढिकारक गुण होंगे जो उत आम में होते हैं जिससे इसे निर्धारित किया जाता है। आमकी को 1.5 मिलीमीटर की जाली से छाना जाएगा जिससे कि क्षमाणी उत्पाद बिल सके। यह किसी पकाए गए सुदृढिकारक, काले बाह्य पराधी जैसे छिनके का भाग, संतु आमकी, भारवे और अन्य कीटों या उनके भागों से मुक्त होगा। लुगदी में, जब तककी 37 डिग्री सेल्सियस पर सम्भावित किया जाता है तो कोई जीवाणु उत्पादित के लक्षण बखित नहीं होंगे। उत्पाद में समुद्र तट पर कोई सजायात्मक प्रायः दमि नहीं होगा।

लुगदी के निष्कर्षण में उपयोग किए गए आम की किसम का आधान पर स्पष्ट रूप से और सहजदृश्य निम्नित होंगे।

भाग 2ग

डिब्बा बंद आम लुगदी (मधुरित) के लिए विनिर्देश

उत्पाद	किसम	कुल विनय शेष	स्पूनतम अम्लता	साधारण लक्षण
डिब्बा बंद आम लुगदी (मधुरित)	आम की कोई समुचित किसम	1.5 प्रतिशत से अधिक	0.3 प्रतिशत	आम की लुगदी अच्छे, पके हुए फल से निर्धारित की जाएगी। इसमें ऐसे आम की किसम के सांख्यिक सुदृढिक होंगे जिससे इसको निर्धारित किया जाता है। आमकी को स्पूनतम 1.5 मि० सो० की जाली से छाना जाएगा जिससे कि क्षमाणी उत्पाद प्राप्त हो सके। यह किसी पकाए गए सुदृढिक, काले धब्बों, बाह्य आमकी

उत्पाद	किसम	कुल विषय होत	न्यूनतम अम्बिता	साधारण नक्षत्र
				अर्थात् किलो के भाग, तंतु सामग्री, धारदे और उसके धंश के अन्य पीटों से मुक्त होगी। लुगदी में, जब उसे 37 डिग्री सेंटीग्रेड पर उष्मायित किया जाता है कोई किष्पन उत्पत्ति के निरूपण नहीं होने। उत्पाद समूह तट पर कोई कार्यालयिक राव स्थित नहीं करना।

लुगदी के निष्करण में प्रयोग की गई भाग की किलम, आधान पर स्पष्ट रूप से और सहज रूप में चिन्हित की जाएगी।

भाग 2ब

सधुरित वातित जल जिसमें कोई फल रस या फल की लुगदी 10 प्रतिशत से अल्प हो, के लिए चिनिर्देश

उत्पाद	किसम	कुल विषय होत	परिभाषा और साधारण नक्षत्र
मुख्यिक सधुरित वातित जल	वातित जल काई एकल या सम्मिश्रण मुख्यिक हो	न्यूनतम 8 प्रतिशत	वातित जल से ऐसा पेष जल अभिवित है जिसमें सोलबंद आधान में समुचित रूप से दाब पर कार्बन बाइजाससाइट अंतर्भरित है और जिसमें एकल रूप से या संयोजक में निम्नलिखित हो सकेगा अर्थात् ग्लूकोज, डब्ल्यू सुक्रोज, ईसल्टोस, मोनोहाइड्रेट, ग्लूकोज, प्रतिशोमित ग्लूकोज, फक्टोस, लैक्टरीन, जो 100 भाग प्रति 10 साध से अधिक न हो फल और सब्जी निष्करण (भार से भार के आधार पर 10 प्रतिशत से अल्प) अनुसात, मुख्यिक और रजक सामग्री, विटामिन, परिरक्षक, पाचसोकारक, स्थिरीकारक, सोडिक अम्ल, टार्टरिक अम्ल, फास्फोरिक अम्ल, पौतिक अम्ल, सोडियम, कैल्शियम और मैग्नीशियम के लक्षण, कैल्शियम जो 200 भाग प्रति 10 साध से अधिक न हो और साध गंध और डिसेटिन उत्पाद में भार से भार के आधार पर कुछ अंतर्वस्तु को कुल गंधकर 5 प्रतिशत से अल्प होगी।

अंतर्वस्तु का कुछ अंतर्भाषाओं पर सीमित किया जा सकता है या नहीं भी किया जा सकता है।

भाग 2क

सधुरित वातित जल के लिए चिनिर्देश जिसमें फल रस या फल की लुगदी 10 प्रतिशत या उससे अधिक हो

उत्पाद	किसम	कुल विषय होत	फल और सब्जी अंतर्वस्तु की न्यूनतम प्रतिशतता	परिभाषा और साधारण नक्षत्र
सधुरित वातित जल जिसमें फल रस या लुगदी अथवा दुग्ध हो	सधुरित वातित जिसमें फल, सब्जी रस या लुगदी अथवा दुग्ध हो	न्यूनतम 10 प्रतिशत	10 प्रतिशत फल रस या लुगदी के रूप में अथवा किसी फल के अथवा सब्जी के दुग्ध	वातित जल से ऐसा पेष जल अभिवित है जिसमें सोलबंद आधान में समुचित रूप से दाब पर कार्बन बाइजाससाइट अंतर्भरित है और जिसमें एकल रूप से या संयोजक में निम्नलिखित हो सकेगा अर्थात् ग्लूकोज, डब्ल्यू सुक्रोज, ईसल्टोस, मोनोहाइड्रेट, ग्लूकोज, प्रतिशोमित ग्लूकोज, फक्टोस, लैक्टरीन जो 100 भाग प्रति

उत्पाद	किताब	कुल विद्यमान क्षेत्र	क्षेत्र और भव्यी क्षेत्र- क्षेत्र की सम्मिलित प्रतिशतता	परिभाषा और साधारण उदाहरण
				10 लाख से अधिक नहीं फल और फल निष्कर्ष (भारत में भारत के आधार पर प्रतिशत से अनुमान) अनुमान, मुख्यतः रंगम साधनी, विद्यमान, परिष्कार, पाक कारक, निर्योक्तक, मोटिक अन्न, टाटा अन्न, फलकीरक अन्न, मोटिक अन्न, मो मम, फलियन, और मनीकियन के और खाद्य पौधे ।

अल्पतम का कुछ भार साधनों पर बोधित किया जा सकता है या नहीं की किया जा सकता है ।

किसी भी मामले में यह निर्णय कि सम्भव है कि किसी भी एक एक एक एक कि कि किसी एक एक एक एक एक

भाग 3

यद्य जल के लिए विनिर्देश (नींबू, नारंगी, अंगूर, फल आदि)

उत्पाद	किताब	अंतिम उत्पाद में फल रस की स्मृ- तम प्रतिशतता	अंतिम उत्पाद में भारत में भारत के आधार पर कुछ क्षेत्र की स्मृ- तम प्रति- शतता	अंतिम उत्पाद में जल में की स्मृ- तम प्रतिशतता	परिभाषा और साधारण उदाहरण
<b>यद्य जल</b>	<b>कोई सम्बन्धित किताब</b>	25	30	0.25	अच्छी क्वालिटी का फीट जल या कच्ची धीमारीयों से मु- क्त यद्य का उपयोग किया जाएगा फल रस अन्तः, ताजे फल से श्रीट या कदक आकषण से या कि अन्य ध्वने से मुक्त होगा । अन्तः क्वालिटी के फल से अन्तः कि जाएगा । यह छिन्कों के द्वारा नष्ट होकर, किसी वाद्य पदार्थ संयुक्तों से मुक्त होगा । केवल पदार्थ जो मिलाए जा सकते है प्रकाश है जल, अन्तः, रंग द्रव्य, प्रतिशतित अन्तः, या अन्तः, छिन्के का रस, मुख्यतः पदार्थ, साधारण नमक, फलकीरक अन्न, मोटिक अन्न, प्रायः भा- में हीन जो अंतिम उत्पाद की अन्तः का अधिकतम 2.5% तक एके अन्तः अन्तः मोटिक अन्तः अन्तः रंग और परिष्कार होने आधार उत्पाद में अन्तः मुख्यतः नमक के फल अन्तः कि जाए और ये आशी या किसी अन्तः अन्तः छिन्के ध्वने या मुख्यतः से मु- क्त होने इसकी रसों को अन्तः अन्तः होने और अन्तः कि के अन्तः नहीं होने ।



भाग 4

संश्लिष्ट सीरप, अदरक, काकटेल, अदरक बीयर, अदरक चय सुरा और दारबत

उत्पाद	किस्म	विशेष लक्षण अतिम उत्पाद के भार से भार के आधार पर कुल किलोग्राम की न्यूनतम प्रतिशतता	साधारण लक्षण
संश्लिष्ट सीरप और अदरक	अदरक, गूदी, फूलों या सुंघियों से उत्पन्न की गई कोई किस्म	65	केवल ऐसे पदार्थ जो मिटाए जा सकते हैं इस प्रकार हैं जिन सीरप अदरक, अदरक गूदी, फूल, सुंघी, रस (कम से कम 10 प्रतिशत) अदरक, इन्वेस्ट्रीन, प्रतिलोमित अदरक, या इन्वेस्ट्रीन, अनुजात रंग और परि-रसक। उत्पन्न उत्पाद अच्छी और रोचक स्वाद तथा सुकृषिक किस्म का होगा और इसमें उपयोग की गई सुकृषिक सामग्री सही प्रकार के लक्षण की होंगी तथा यह जले हुए और किसी अन्य अनाजनीय द्रव्यों और सुकृषिक तथा अदरक के निरसनीकरण से मुक्त होगा। रस करने वाली अच्छी क्वालिटी का होगा तथा इसमें किण्वन के कोई लक्षण दृश्य नहीं होंगे किसी कृत्रिम सुकृषिक अभिकारक का प्रयोग नहीं होगा।
अदरक काकटेल, अदरक बीयर, अदरक चय सुरा	अदरक या अदरक सुंघी के उत्पन्न की गई कोई किस्म		

संश्लिष्ट सीरप के आवाहन पर कोई लेबल नहीं लगा होगा जिससे कि उपभोक्ता को यह विश्वास हो जाए कि यह एक वास्तविक फल सीरप है। इसके अतिरिक्त लेबल पर संश्लिष्ट, सुशुद्ध रूप से और स्पष्ट रूप से ऐसे दृश्यित होगा। यदि संश्लिष्ट सीरप के रूप में घोषित उत्पाद के रूप में विनिर्दिष्ट कोई फल रस नहीं है तो उत्पाद पर स्पष्ट रूप से यह लिखा होगा कि इसमें कोई फल रस नहीं है। गुलाब, जस, केवड़ा, चंदन और अन्य ऐसे सीरप को संश्लिष्ट के रूप में घोषित नहीं किया जा सकेगा किन्तु लेबल पर फलों के चित्र नहीं बने होंगे।

भाग 5

शोतल चंद और डिब्बा बंद फलों और सब्जियों के लिए विनिर्देश

उत्पाद	किस्म	विशेष लक्षण	साधारण लक्षण
शोतल चंद या डिब्बा बंद फल	समूचित किस्म का कोई फल	द्विन्द्व के सीरप का स्पष्ट 1.5 से 0.5 से अधिक नहीं होगा। फल का अक्षो-स्थिति भार अंतर्वस्तु के कुल भार के 50 प्रतिशत से कम नहीं होगा (बेरी फल भी दत्ता के विषय अक्षांश उसकी सीमा 40 प्रतिशत होगी) अक्षोस्थिति भार अंतर्वस्तु की दो निम्नतम 20.3 x 20.3 की विमाओं वाली तथा 2.5 से 0.5 में आठ छिद्रों वाली जाली में से उत्पन्न अक्षोस्थिति किया जाएगा।	द्विन्द्व बंद किया जाने वाला उत्पाद फल लक्षण तथा गंध होगा और यह कठोर से अक्षोस्थिति रूप से मुक्त होगा तथा इसमें रसिदा, पत्थरों और अन्य बाह्य सामग्री नहीं होगी। जहाँ फल का काटा जाता अपेक्षा हो वहाँ इसे दो भागों में, चार भागों में या आकार अथवा मुक्तिपूर्वक एक समान साइज के टुकड़ों में काटा जाएगा। केवल ऐसे पदार्थ होंगे निर्धारण या संकेत जैसे फल, अदरक, प्रतिलोमित अदरक, गीदिक अदरक और जल आदि। प्रत्येक उत्पाद के पर्याप्त फल लक्षण और रस से स्पष्ट रूप से बना होगा। उत्पाद समुद्र तट पर कोई अक्षोस्थिति दाब नहीं करेगा और इसमें अब उसे 37 डिग्री सेल्सियस पर एक उत्पाद के लिए सम्पादित किया जाता है तो कोई भीरानु उत्पाद के लक्षण दृश्यित नहीं होंगे। बेरी और स्ट्रॉबेरी भी वजा के अतिरिक्त कोई कृत्रिम रंजक पदार्थ नहीं होगा जहाँ अनुजात

उत्पाद	प्रकार	विशेष लक्षण	साधारण लक्षण
बोलेस बंद या बिन्ना बंद एम्बिका	समुचित किराने की कोई शर्तों में	किन्ने के बीभे या स्वन 1.6 से 0.001 से अधिक नहीं होना। शब्दी के अलोत्सारित भार अधिस्तु के मुक्त भार के 55 प्रतिशत से कम नहीं होना (किन्ना बंद टमाटरों की दशा से किन्ने यहाँ यह सीमा 50 प्रतिशत होगी)। उसे जलोत्सारित नमक 20.3 x 20.3 से 0.001 की किन्नेओं वाली 2.5 से 0.001 वाली वाली से दो निम्न तक आनकर अवधारित किन्ना मापना।	हो यहाँ रंग गिलावा या सडेगा। अंतिम का मूल सामग्री का ताकनिक स्वाद होना यह दृष्टन, सके से गप्ट होने से मुक्त होना तथा उमान फल से किया हुआ होगा।

मटर या किसी अन्य उत्पाद को जिसे डिब्बा बंद करने के पूर्व शुष्कित या अन्यथा प्रसंस्कृत किया गया है, प्रसंस्कृत में वर्णित नहीं किया जाना चाहिए तथा इसे "हरा ताजा" या वागान उत्पाद के रूप में वर्णित नहीं किया जा सके। यह स्पष्ट रूप से चिन्हित नहीं किया जाएगा कि इसे शुष्कित कच्ची सामग्री से तैयार किया गया है। निर्मूलक और फल यदि डिब्बा बंद हो तो उस पर स्पष्ट रूप से चिन्हित किया जाएगा कि इसे शुष्कित कच्ची सामग्री से तैयार किया गया है।

भाग 6  
अंश और फल पत्तीर के लिए विनियम

उत्पाद	प्रकार	विशेष लक्षण	साधारण लक्षण	
अंश और फल पत्तीर	समुचित किराने की कोई शर्तों में	रस शरीर की दशा में 4.8 और 5.4 के बीच 2.5	अंतिम उत्पाद में पत्तीर अभाव होनी	यह एकल या मिश्रित फल की शर्तों है। इसमें उपयोग गया फल पत्तीर हुआ तथा तुकनी और किण्वन कट्टी से होगा। दृष्ट या डिब्बा बंद परिवर्तन तुकनी या रस के लिए या सके हैं। किसी अन्य म्युनल पैकेटिंग जब अंतिम उत्पाद का संकेत है किन्ना बंद सकेने वाले पत्तीर पैकेटिंग, प्रसिद्धिगत पत्तीर

उत्पाद	फल का प्रकार	अंतिम उत्पाद में तैयार फल की न्यूनतम प्रतिशतता	अंतिम उत्पाद में भार से भार के आधार पर विद्यमान डोल की न्यूनतम प्रतिशतता	विशेष लक्षण	साधारण लक्षण
					इस सुकोज, सुस्निग्ध के मायला एल्कोहोलिक अम्ल, सीमित अम्ल, अनु-कात रंग और परिदृश्य है। इसमें मूल फल की सुस्निग्ध होती तथा यह जले हुए या अन्य असाध्यनीय सुस्निग्ध अम्लोत्पन्न और कच्ची उत्पादित से मुक्त होगा तथा इसमें क्लोरिन के कोई लक्षण नहीं होते यदि इसे किन्हीं में पैक किया जाता है तो इसमें समुद्र जल पर कोई साधारणतया दाब दक्षित नहीं होगा। किसी इतिम मसुरक सामग्री को नहीं मिलाया जाएगा।

जहाँ शुष्क फल का उपयोग किया जाता है वहाँ लेबल पर स्पष्ट रूप से घोषणा की जाएगी।

भाग 7

फल जैली और मारम्लेड के लिए विनिर्देश

उत्पाद	फल का प्रकार	अंतिम उत्पाद में तैयार फल की न्यूनतम प्रतिशतता	अंतिम उत्पाद में भार से भार के आधार पर विद्यमान डोल की न्यूनतम प्रतिशतता	विशेष लक्षण	साधारण लक्षण
फल जैली और मारम्लेड	किसी समुचित किसम का कोई फल	45	65	फल जैली स्पष्ट निरूपण से बनाई जाएगी जो फल की पानी के साथ उबाल कर तैयार की गई होगी। मारम्लेड या तो सीटरोस फलों से तैयार किया जाएगा या फल की पानी के साथ उबालकर तैयार किया जाएगा अथवा फलरस या नुगदी से बनाया जाएगा। मारम्लेड में छिन्की के शुद्ध तैयार हुए होंगे।	उपरोक्त किया जाने वाला फल अच्छा स्पष्ट और किम्वत् तथा फलों से मुक्त होगा। मारम्लेड अंतिम सुनिश्चित रूप से एक समान होंगे और अच्छी तरह रची जा सकने वाली स्वादिष्टों के होंगे तथा सुगन्धों रंग के होंगे + केवल ऐसे पदार्थ ही मिलाए जा सकते हैं। लकड़, ईन्सट्रुप, अतिशोभित लकड़ या अन्य सुकोज, एल्कोहोलिक अम्ल, अनु-कात रंग और परिदृश्य है। जिनसे हुए फलों को वाकफर के निष्कर्षण के साथ उबालकर तैयार किए किन्हीं की सहायता के उत्पाद होंगे। यह स्पष्ट बनकर हुए, सुगन्धों रंग के पारदर्शी होंगे। यह औरप के जैसे विनिर्देशों या नोट के होते नहीं होंगे चाहे और इसमें मूल फल की सुस्निग्ध और नष्ट होनी चाहिए। कोई इतिम मसुरक सामग्री नहीं मिलाया जाएगा। इसमें क्लोरिन का लक्षण दक्षित नहीं होगा।

लकड़ या रासायनिक पेंट्रीन से बनाई गई जैली को स्पष्ट रूप से संश्लिष्ट जैली के रूप में घोषित किया जाएगा।

संश्लिष्ट जैली के आद्यान्त के लेबल पर सहज दृश्य स्थान पर निम्नलिखित लिखा होगा, अर्थात्:—

- (1) संश्लिष्ट जैली सुस्निग्ध (बलेंड की संश्लिष्ट सुस्निग्ध का नाम, ब्रांड की लिखा जाएगा)
- (2) उत्पाद किसी फल से नहीं बनाया गया है।

भाग 8

पपी हुई और क्रिस्टलीकृत या कांचित फल और छिलकों के विनिर्देश

उत्पाद	किस	विशेष लक्षण		साधारण लक्षण
पपी हुई क्रिस्टलीकृत या कांचित फल और छिलके	सन्चित किस का कोई फल	भार से भार के आधार पर कुल बकर की प्रति-भारता	कुल बकर में कटौती बकर की प्रतिभारता	पपी हुई फल या छिलके पके हुए या बोले कम पके हुए फल से न्यूनतम स्वरूपिक से कटौती या कटौती से बचता किसी अन्य से मुक्त होने या फल की स्थिति को प्र-चित करते हैं। केवल ऐसे प्रकारों को नि-या सकते हैं, अकार, प्रकृतिक, प्रकृतिक अ-इव्य स्वरूपिक शीटिक अम्ल, चित्त कौटिक अम्ल, मुख्यिक पराभ, अनुज्ञात रंग तथा प-रक्षक हैं। कांचित फल या छिलका के-कृतित या उसके बिना भी फल के लक्षण व-आकार से सुनिश्चित किए गए हो पाड़े की-की एक पतली परतों परत के उत्पा-पपी हुई उत्पाद से व्युत्पन्न होते। क्रिस्ट-कृत फल या छिलके पपी हुई उत्पा-व्युत्पन्न होते हैं जिन पर कुछ त-क्रिस्टलीकृत शीरष को परत बढ़ाकर या-पपी हुई फल पर शीरष को सुनिश्चित कि-त-ही। अंतिम उत्पाद अर्द्ध परतों होगा अ-कोल नहीं होगा या बनेदार होगा। यह-हुई या किसी अन्य अवांछनीय सुनि-से मु-होना।

भाग 9

परिरक्षण के लिए विनिर्देश

उत्पाद	फल की प्रकार और किस	फल उत्पाद में फल की भार की न्यूनतम प्रति-भारता	भार से भार के आधार पर कुल बकर की प्रति-भारता	साधारण लक्षण
परिरक्षण	विलय किस का कोई फल	55	68	यह फल या मिश्रित परिरक्षक हो सकता किन्तु उपयोग किए गए फल या कटौती पपी-तापी, स्वच्छ होती केवल ऐसे प्रकारों को नि-या सकते हैं, अकार, प्रकृतिक, प्रकृतिक अ-इव्य स्वरूपिक शीटिक अम्ल, चित्त कौटिक अम्ल, मुख्यिक पराभ और परिरक्षक-फल अपनी सकल बनाए रखें और अ-अलग टुकड़ों के निरीक्षण के बिना-के साथ रहने दिए जाएंगे। यह अपनी-से रखी या बकने वाली स्थितियों का-लुभावनी रंग का होगा तथा यह बने हुए अ-



उत्पाद	फल की प्रकार और किस	फल उत्पाद में फल की भार की न्यूनतम प्रतिशतता	भार से भार के आधार पर कुल निर्यात टोनों की न्यूनतम प्रतिशतता	साधारण लक्षण
				जब अर्धवर्षीय सुसुखित फिटलीकरण और फर्मुदी से मुक्त होना जब उसकी जांच की जाती है तो उत्पाद में कोई कियानन का लक्षण दृशित नहीं होगा। जब इसे डिब्बों में पैक किया जाता है तब इसमें समुद्र तट पर कोई सफायात्मक धाव दृशित नहीं होगा।

जब इसे स्वच्छ इन्कन वाले डिब्बों में पैक किया जाता है तब इसकी अंतर्वस्तु डिब्बे के कुल स्थान में 85 प्रतिशत से अत्यून होगी।

भाग 10

फल चटनियों के लिए विनिर्देश

उत्पाद	किस	निर्यात लक्षण	फर्मुदी गणना	साधारण लक्षण	
		अंतिम उत्पाद में फल की न्यूनतम प्रतिशतता	भार से भार के आधार पर उत्पाद में कुल निर्यात टोनों की न्यूनतम प्रतिशतता		
फल, चटनी	समूचित किसम का कोई फल	40	50	खैर के 40% से अधिक नहीं	उत्पाद किसी कीट या फर्मुदी के आक्रमण से मुक्त फल से न्यूनतम होगा। जांच की गई चटनी को पैपार नाम में उपयोग किए गए सभी संघटक पूरी तरह से स्वच्छ होंगे। जो पत्रापी सिपाए जा सकेंगे वे फल, फल लुबरी, रेजिन, मेथे, गंधाके, नमक, सनकार, प्लाज, लव-भुन, सिरका, एसीडिक बल्ब और अनुसूचित रंग तथा परिष्कार है। यह रंगी जा करने वाली अच्छी क्वालिटी का होगा और जब उसे 28-30 डिग्री सेंटीग्रेड और 37 डिग्री सेंटीग्रेड पर अन्नापित किया जाता है कियानन का कोई लक्षण दृशित नहीं होगा। अनरता और मरम अंतर्वस्तु फलक: 5 प्रतिशत और 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

जब इसे फल चटनियों के रूप में घोषित किया जाता है तब लेबल पर फलों का नाम घोषित नहीं किया जा सकेगा। जब किसी फल को रेजिनों और मेथों के संयोजन पर संगणित किया जाता है यदि नाम चटनी या अन्य चटनियों, फल की अंतर्वस्तु 5 प्रतिशत या 40 प्रतिशत से अधिक के रूप में उपयोग किया जाता है लेबल पर घोषित नहीं किया जाएगा। हाइड्रोक्लोरिक अम्ल में अविलय को मरम भार से भार के आधार पर 0.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

भाग 11

दमादर रस और सूप के लिए विनिर्देश

उत्पाद	किसम	विशेष लक्षण समस्त मुक्त भार से भार के आधार पर कुल विलय रस की न्यूनतम प्रतिक्रिया	संयुजी राशियां	आधारण लक्षण
दमादर रस और सूप	दमादर की कोई क्षयुक्ति किसम	दमादर रस-5 दमादर सूप-7	नाश किए गए रस के 30 प्रतिशत से अधिक नहीं	दमादर रस एक तरल उत्पाद है जो अच्छे, ठाना और पूरी तरह सूप जैसे दमादरों के स्थानान्तरण को होल और फलुसी आक्रमण किसी समय धरने से मुक्त होने का भी संभावित भी प्रभाव करते हो तथा इनमें दमादरों के के अतिरिक्त दोष पदार्थ होने छोटे-छोटे टुकड़ों के तैरते हुए होने यह धिलकों के टुकड़ों, बीजों, या संयुजों के टुकड़ों और किसी भी बाधा पदार्थ से मुक्त होने । के ऐसे पदार्थ जो निष्पाद या सूप में नमक भार से भार के आधार 5 प्रतिशत से अधिक नहीं । भस्म कैल्शियम, मैंगनीज, एस्कोरि समय और संयुजित रंग है । दमा सूप में केवल ऐसे पदार्थ जो मिल या सकेने से गठाले, बाककर, लव रदाने, मसबान और कुछ के उ समर्थ है । तैयार उत्पाद में अच्छे, शुद्धिगत दमादर के लक्षण होने और यह लक्षण सूप या किसी भी संयुजित सुक्ष्म से मुक्त होने गढ़ रखी जा सकने वाली अन्य स्वाभाविकी का होगा और इस नम वज 37 डिग्री सेंटीग्रेड पर रा दिनों के लिए अभ्यासित किया जा है किपपन के कोई लक्षण दृश्य न होने । लव वज शिवा बंद कि बागा है तो उत्तम संयुज रस प कोई असाधारण रस दृश्य न होना ।

भाग 11क

सन्धी सूप के लिए विनिर्देश

उत्पाद	किसम	आधारण लक्षण
सन्धी का सूप	किसी संयुजित किसम की सन्धी या सन्धियों का संयुजित	उत्पाद सन्धी की अथवा फलुसी आक्रमण से मुक्त सन्धी से तैयार किया जाएगा । सूप तैयार करने में उपयोग की गई सन्धी अंतर्वेश पुर्णतया स्वच्छ होगी । केवल ऐसे पदार्थ जो निष्पाद या सकेने उन्नी धुलकों, सन्धियों, उ वेरा, लवने, बाकल, गेहूँ, आद्याल और अन्य किसी प्रकार, नमक, प्लान, अंतर्वेश

उत्पाद	फिरम	साधारण लक्षण
		रंग: सूप सुस्फुटिक और मसाले है। यह अच्छी तरह रखी जा सकने वाली मसालिटी का होगा और जब उसे 37 डिग्री सेन्टीग्रेड पर एक सप्ताह के लिए जमावहित किया जाता है किण्वन के कोई लक्षण दृशित नहीं करेगा। किसी परिष्कार का उपयोग नहीं किया जाएगा। अतिरिक्त उत्पाद सभी की उस सुस्फुटिक का होगा जिससे सूप तैयार किया जाता है। सूप एक लयान क्षमता का होगा।

भाग 12

टमाटर प्यूरी और पेस्ट के लिए चिनिर्वेक्ष

उत्पाद	फिरम	विशेष लक्षण		साधारण चिनिर्वेक्षार्थ
		फर्कूरी गणना	अंतिम उत्पाद में भार से भार के आधार पर कुल विलय ठोस की न्यूनतम प्रतिशतता	
टमाटर प्यूरी और पेस्ट	टमाटर की कोई 8-10 प्रतिशत फिरम	परीक्षित क्षेत्र के 60 प्रतिशत से अधिक नहीं	टमाटर प्यूरी-9% टमाटर पेस्ट-25%	उत्पाद अच्छे, ताजे और पूर्णतया नके हुए कीट या फर्कूरी आक्रमण जैसा किसी अन्य रोगों से व्यापहारिक रूप से मुक्त, जो फल की स्वादिष्टी को प्रभावित करते हो, टमाटरों से मूल्यवान होंगे। समुचित रूप से तैयार किए गए और निरुद्ध टमाटर छिन्नों और बीजों से मुक्त होंगे। फेरम ऐसे प्रकारों को निरारण या संकेत साधारण नरक, लौहिक अम्ल, एस्कोविन अम्ल, मसाले, अनुदान रंग और परिष्कार है। अंतिम उत्पाद टमाटर के अच्छे सुस्फुटिक लक्षण के होंगे तथा जैसे हुए या किसी अन्य अवांछनीय सुस्फुटिक से मुक्त होंगे। यह अच्छी रखी जा सकने वाली मसालिटी के होंगे और जब उसे 37 डिग्री सेन्टीग्रेड पर सात दिन के लिए जमावहित किया जाता है किण्वन के लक्षण दृशित नहीं करेगा। जब उसे दिग्भा बंद किया जाता है तो समुद्र तट पर कोई सफायात्मक दाब दृशित नहीं करेगा।

लेबल पर कुल विलय ठोस की प्रतिशतता पोषित की जाएगी।

भाग 13

टमाटर कैंचप या सॉस के लिए चिनिर्वेक्ष

उत्पाद	फिरम	एलीटिक अम्ल के रूप में न्यूनतम अम्लता	भार से भार के आधार पर न्यूनतम कुल विलय ठोस	विशेष फर्कूरी गणना	समय सप्तीर बीजानु और बीजानु	बीजानु	साधारण लक्षण

उत्पाद	विवरण	एसीटिक अम्ल के रूप में अस्थिरता	भारत से भारत के आयात पर न्यूनतम अम्ल बिलय डी.स	विशेष उद्योग फरुदी बमोर गणना बीजाणु और बीजाणु	बीजाणु	साधारण उद्योग
						<p>का से मूल्य, जो फरुदी क्वालिटी को प्रभावित करता है, टमाटर से व्युत्पन्न होते हैं। समुचित रूप से तैयार किए गए विकृत टमाटर बीजों विशेषता से मुक्त होने के बाद ऐसे पदार्थ को निर्यात या संचालन करना, गन्धक, सिरका, एसीटिक अम्ल, प्याज, महसुन परिलक्ष्य है। इसमें अन्य फल और सब्जियों पदार्थ नहीं होते। ये उत्पाद अच्छे मुकामी होते और जले हुए किसी अन्य अवस्था में मुकामी से मुक्त होते हैं। अच्छी क्वालिटी का भारतीय क्वालिटी का और यह 23. डिग्री सेल्सियस और डिग्री सेल्सियस पर कम निर्यात किया जाता है। इन के उद्योग स्थित होते हैं।</p>

भाग 13क

लोयाबीन साँस और टमाटर साँस से भिन्न साँस के लिए विनिर्देश

उत्पाद	प्रकार और किरा	एसीटिक अम्ल के रूप में अस्थिरता की न्यूनतम प्रतिशतता	भारत से भारत के आयात पर न्यूनतम अम्ल बिलय डी.स	विशेष उद्योग फरुदी बमोर अमीर और बीजाणु	बीजाणु	साधारण उद्योग	
साँस	फल या सब्जी की कोई समुचित प्रकार और किस्म	1, 2	15 प्रतिशत	परिष्कृत रूप के 40 प्रतिशत से अधिक नहीं	प्रति 1/50 मि० सी० में 125 से अधिक नहीं	प्रति 1/1000 लीटर में 100 से अधिक नहीं	उत्पाद अच्छे क्वालिटी विशेषता से व्युत्पन्न और फीट या फरुदी अन्य अवस्था में होने को फल की क्वालिटी को प्रभावित करते हैं। जो मिठाई या सब्जियों लवंग, सुबधी, रस, गन्धक, जड़कारी, गन्धक, सिरका, एसीटिक अम्ल, प्याज, धुन, सुकनिक सामग्री, या अन्य रंग के बी



वस्तु	प्रकार और किलो	एसीटिक अम्ल के रूप में	भार से भारत के आयात पर न्यूनतम प्रतिशतता	भार से भारत के आयात पर न्यूनतम प्रतिशतता	विशेष नकल	सीमांत	साधारण नकल
					कच्ची गणना	समीर और सीमांत	

दिले अनुज्ञात रेश और परिच्छेद है। अंतिम उत्पन्न अन्धी सुकृति और जले हुए या अन्य अवांछनीय सुकृति से मुक्त होगा। यह अन्धी तरह रेशो का बनने वाली स्वादिष्टी का होगा और जब उसे 28 से 30 डिग्री से० से० पर उष्णामित किया जाता है, क्रियमन के उत्पन्न दक्षित नहीं करता।

\*धारा में उपरोक्त किलो एवं केलियम फस और सक्चिरो की प्रतिशतता लेवल पर पोषित की जाएगी और लेवल पर हमेशा का कोई विवर नहीं बना होगा।

भाग 13ख

सोयाबीन साँस के लिए विनिर्देश

वस्तु	प्रकार और किलो	भार से भारत के आयात पर एसीटिक अम्ल के रूप में अन्धता की न्यूनतम प्रतिशतता	भार से भारत के आयात पर न्यूनतम प्रतिशतता	विशेष नकल	सीमांत	साधारण नकल
				कच्ची गणना	समीर और सीमांत	सीमांत

सोयाबीन साँस	फस या अन्धी की कोई अनुचित प्रकार और किलो	0.6 प्रतिशत	25 प्रतिशत	परिष्कृत क्षेत्र के 40 प्रतिशत से अधिक नहीं	प्रति 1/60 स्पृकिक मि० सी० में 128 से अधिक नहीं	प्रति स्पृकिक से० सी० में 1000 साँस से अधिक नहीं	वस्तु अन्धे सोयाबीन से न्यूनतम होगा जो कीट या कच्ची वाक्यन या किसी अन्य घनने से मुक्त होगा जो विनिर्देश की स्वादिष्टी को प्रभावित करते हो। केवल ऐसे पदार्थों को सिवाय जा सके, मसाले, नमक, तिलहन, विरसा, एसीटिक अम्ल, प्यान, सहस्रत अनुज्ञात रेश और परिच्छेद है। इसमें कोई अन्य फस और सक्चिरो के पदार्थ नहीं होंगे। अंतिम उत्पन्न अन्धी सुकृति का होगा और जले हुए या किसी अन्य अवांछनीय सुकृति से मुक्त होगा यह अन्धी रेशो का बनने वाली स्वादिष्टी का होगा और जब उसे 28 या 30 डिग्री से० से० और 37 डिग्री से० से० पर उष्णामित किया जाता है तो क्रियमन के उत्पन्न दक्षित नहीं करता।
--------------	--	-------------	------------	---	---	--	---

भाग 13ग

इसली सामग्र्य के लिए विनिर्देश

उत्पाद	आंतरात्मिक अम्ल के रूप में अम्लता की न्यूनतम प्रतिशतता	अम्ल में विघट्य भरम	कुल चिन्तय तौल	कच्ची पीठ व्रक्ति से मुक्त	साधारण शोधन
इसली सांद्र	9 प्रतिशत	0.8 प्रतिशत के अधिक नहीं	0.5 प्रतिशत से अधिक	कच्ची पीठ व्रक्ति या बूट कीटों के भागों और क्लोथ से मुक्त	उत्पाद अच्छी इसली से शुद्ध होना। इसली निष्कर्मण तनुचित रूप से तैयार किया हुआ होना और इसी तथा तनु प्रामाणी के टुकड़ों से मुक्त होना। सामग्र्य में इसली के सुकनिक लक्षण होंगे जोन वह जले हुए तथा किसी अन्य पुरुषि और क्लोर से मुक्त होना। यह अच्छी रखी जा सजाने वाली क्वालिटी का होना। बिस्वा अब इसली सामग्र्य समुद्र तट पर कोई क्लोरोकार्बनक पदम प्रविष्ट नहीं करेगा।

भाग 14

निश्चित और संश्लिष्ट तिरके के लिए विनिर्देश

उत्पाद	विनम	विशेष लक्षण अंतिम उत्पाद में अम्लता की न्यूनतम प्रतिशतता	साधारण शोधन
निश्चित और संश्लिष्ट तिरका	कोई अनुचित भावजन जो कन मातल: संश्लिष्टिण, कने का रक थोरि	निश्चित तिरका प्रति 100 ग्राम 100 एपीडिक अम्ल का 75 ग्राम संश्लिष्ट तिरका एपीडिक अम्ल का 9.75 ग्राम	साधारण शोधन

1. द्रवमें प्रति 100 गि० ली० एपीडिक अम्ल का कन से कम 9.75 ग्राम होना।
2. द्रवमें कुल तौल का भार से भार के आधार पर कन से कम 1.5 प्रतिशत और कन 0.18 प्रतिशत होना।
3. इसमें विनमलिखित नहीं होना :
  - (i) सलयुक्त कन या कोई अन्य खनिज अम्ल,
  - (ii) तौला या तौला,
  - (iii) कार्बनिक मातल में प्रति 10 माप में 1.5 माप से अधिक और
  - (iv) कोई विनाशोप कर्षक या धुनी क्लोर के विनम रक्षण कदावी
4. मातल के लिए तिरके में इसके कतिरिक्त क्लोरोरा मैलाकमला ईट (  $P_2O_5$  ) का कन से कम 0.05 प्रतिशत और सांद्रता का 0.04 प्रतिशत। निश्चित तिरके को एपीडिक अम्ल के साथ शक्तीकृत नहीं किया जाएगा।

निश्चित तिरके को तैयार करने के लिए साधारण की विनम को बैकल पर पोषित किया जाएगा। संश्लिष्ट तिरके को सुधिन रूप से लेबल पर संश्लिष्ट तिरके के कन से अधिक किया जाएगा और बैकल पर "एपीडिक अम्ल में तैयार" का कन किया जाएगा।

भाग 15

तिरके में अचार के लिए विनिर्देश

उत्पाद	क्रिम	विशेष अर्थ	साधारण लक्षण
तिरके में अचार	समुचित क्रिम का कोई सखी	एलोडिक अम्ल के रूप में इनके भाग की गमता की स्तुतल प्रतिशतता के रूप में प्रति 100 गत से 0.50 के रूप में 2 ग्राम से अत्युत	अचार को बनाने में उपयोग की गई सब्जियां सावुर होती हैं। व्यापहारिक रूप से फर्सी या कोट जाकमप से मुक्त होंगी। उपरोक्त की जाने वाली सभी अवयवस्तु पूर्व रूप से बाहुल्य तदार्थों से मुक्त होंगी अचारों का अम्ल भाग जो तिरके की कुल अवयवस्तु के 3/4 भाग से अधिक नहीं होगा और इसमें मसालों, नमक और बाककर से मुक्त कोई अन्य अवयवस्तु नहीं होगी। अचारों में तांबा, अम्ल, फिटकरी या हाथिकार, रंग नहीं होंगे और इसमें किण्वन के लक्षण अभाव नहीं होंगे। उत्पाद शुद्धिभूयत रूप से तनछट से मुक्त होगा।

अथ एक से अधिक सब्जियों का उपयोग किया जाता है तब उत्पाद पर "मिश्रित अचार" का लेबल लगाया जाएगा।

भाग 16

सीदल या लवण जल में अचारों के लिए विनिर्देश

उत्पाद	क्रिम	नमक की स्तुतल प्रतिशतता	विशेष लक्षण	साधारण लक्षण
सीदल या लवण जल में अचार	समुचित क्रिम का कोई फल, हल्दी	12 प्रतिशत	सीदल या सीदिक अम्ल में अचारों को रसा में यह 1.2 प्रतिशत से अधिक होगी। केवल सीदल कल रस का उपयोग किया जाएगा।	अचार को बनाने के लिए उपयोग की जाने वाली सब्जियां और फल सावुर होंगे वे फर्सी या कोट जाकमप अथवा किसी अन्य प्रकार की लक्षण से मुक्त होंगे। उपयोग किए जाने वाली सभी अवयवस्तु पूर्णतया स्वच्छ होंगी और बाहुल्य तदार्थों से मुक्त होंगी। केवल ऐसे तदार्थ जो मिर्चाए, या सब्जियों सफर, नमक, फिटकरी, प्याज, लहसुन, सेंसोदक जगत और विषय कैल्सियम लवण हैं। अचारों में अम्ल से नमक, तांबा, फिटकरी, अम्ल लवण नहीं मिलाए जाएंगे।

भाग 17

तेल के अचारों के लिए विनिर्देश

उत्पाद	क्रिम	तेल	साधारण लक्षण
तेल का अचार	समुचित क्रिम का कोई फल या सब्जियों	कोई खाद्य तेल, रेपसीड, सरसों, जैतून तेल आदि।	तेल के अचार तैयार करने में उपयोग किए जाने वाले फल और सब्जियां सावुर होंगे और फर्सी या कोट जाकमप से मुक्त होंगी। केवल ऐसे तदार्थ जो मिर्चाए या सब्जियों मसाले, नमक, तेल, शक्कर, फिटकरी, प्याज, लहसुन, एलोडिक अम्लता, हल्दी और अनुज्ञात परिरलक हैं। उपयोग की जाने वाली सभी अवयवस्तु पूर्णतया स्वच्छ होंगी और बाहुल्य तदार्थों से मुक्त होंगी। अचार मुक्तिक स्वाद और रस का होगा तथा उसमें तांबा, फिटकरी, अम्ल लवण नहीं मिले होंगे।

उपरोक्त किए जाने वाले फल या सब्जियों की क्रिम को लेबल पर घोषित किया जाएगा।

भाग 18

आल्पित और निजलीकृत फलों के लिए विनिर्देश

उत्पाद	किस्म	साधारण लक्षण
आल्पित और निजलीकृत फल	समुचित किस्म का कोई फल	आल्पित के लिए उपयुक्त किस्म जाने वाले फल स्वच्छ, समतल और या फट्टी आक्रमण से स्पष्टाकारिक रूप से मुक्त होगा। आल्पित निजलीकृत फलों में अनुशास्य परिवर्तक हो सकते हैं। उत्पाद दूध फट्टी कीट या बालों से मुक्त होगा। निजलीकृत और आल्पित में अम्लता अंतर्वेत्तु अम्लता भार से वार के आधार पर 20 प्रतिशत 24 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

अधोना के लिए उपयुक्त फल की किस्म भंडारण पर घोषित की जाएगी।

भाग 18क

ग्राम खाद्यान्न फलों के लिए विनिर्देश

उत्पाद	किस्म	लक्षण	साधारण लक्षण
ग्राम खाद्यान्न फल	समुचित किस्म का फल	कार्बोहाइड्रेट 2.5 प्रतिशत से अधिक नहीं। कुल विलाय अम्ल 0.5 प्रतिशत से अधिक नहीं। प्रोटीन 3.0 प्रतिशत से अधून। स्टार्च 25.0 प्रतिशत से अधिक नहीं।	उत्पाद कीट या फट्टी आक्रमण से मुक्त, स्वच्छ और आर्षों से तैयार किया जाएगा। केवल मिलाए जाने वाले नमूने फल सुखी, गेहूँ, स्टार्च, सूकोन, सुकोशियम नायकार्बोनेट और पैन्टोन है उत्पाद उत्पाद और नुरुनिक लक्षण का होगा। उत्पाद मु होगा किंतु लक्ष्य और चर्मित नहीं होगा। कोई भी नुरुनिक संधिकारक नहीं मिलाए जाएंगे।

उत्पाद के लिए जाने वाले फल की किस्म और उसका संयोजन भंडारण पर घोषित किया जाएगा।

भाग 19

आल्पित और निजलीकृत सब्जियों के लिए विनिर्देश

उत्पाद	किस्म	विशेष लक्षण	साधारण लक्षण
आल्पित और निजलीकृत सब्जियाँ	समुचित किस्म की कोई सब्जी	हाइड्रोकार्बोनेट अम्ल में अतिसय अम्ल से 0.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।	उत्पाद भद्ररंग या फट्टी से मुक्त समतल सब्जियों के किया जाएगा। सब्जियों का केवल खाद्य भाग ही में लाना जाएगा और वह अंडियों, छिलकों, रसों बाह्य पत्रियों से मुक्त होगा। आल्पित या निजलीकृत सब्जियों में अनुशास्य परिवर्तक हो सकते हैं। अतिसय अम्ल की आल्पित स्वास्थि का और मुक्तिपूर्ण रूप किन्तु एक उदात्त पर मुक्त आल्पित और स्वास्थि बना रहेगा। अतिसय उत्पाद दुस्समान फट्टी, की लारों से मुक्त होगा।

आल्पित सब्जी की किस्म भंडारण पर घोषित की जाएगी।



भाग 19क  
निर्जलीकृत प्याज के लिए विनिर्देश

क्रमांक	जिला	विशेष अंश			सामान्य अंश
		कुल भार से भारत के आक्षार पर प्रतिशतता	भार से भारत के आक्षार पर प्रतिशतता	विशेष भार में भारत के आक्षार पर प्रतिशतता	
द्वारे हुए प्याज के सिवाय निर्जलीकृत प्याज	कोई समूचित जिला	8	5	0.5	निर्जलीकृत प्याज स्वच्छ, साफ, सौम्य-गंध समुचित किराने के प्याज के तैयार किया हुआ उत्पाद होना जो समुचित रूप से धोने, धोखने, कटने और इकट्ठे करने के पर्याप्त तथा ऐसी रीति में निर्जलीकृत करने के पर्याप्त जो रंग सुकन, तन्मयता की प्रभावी रीति से सुनिश्चित करें तथा वायु परावर्ण को जगाम् रखें, धर्मों और रंग से मुक्त हों।  निर्जलीकृत प्याज में आन्तरिक रंग और विभिन्न तीक्ष्ण सुसुखित किराने के होंगे। वे विरंजक और सुखाय, निकट गंध, सुखते हुए या अन्य भवाच्छनीय सुकन या गंध के नहीं होंगे। जब वे नुर्सेके प्रकाश में होतो निर्वाह रूप से यह समी हो और संपीडन से मुक्त हो।  उत्पाद कसूधी, नीवित या मृत कोटों और उनके इन्हों और बिना अनुपम से मुक्त होगा। कुल बाह्य परावर्ण जिनमें काला, गूरा या भूरे रंग के इकट्ठे, बाह्य छिलका, बाह्य जड़, और नीचे की पांठ, प्याज के बीच से लगे हुए आयांग या अनलाय, रंजित और बाह्य परावर्ण जैसे अन्य तन्मियां भार के अनुसार तीन प्रतिशत से अधिक नहीं होंगी। वे किसी परिष्कृत, विरंजक परावर्ण कृत्रिम रंजनक परावर्ण या सुकनिक अधि-कारकों से मुक्त होगा।  निर्जलीकृत प्याज के इकट्ठे 4 घंटे तक पानी में डुबाने के पर्याप्त करने, ताबे छिले हुए और अच्छी सहायिनी के स्ट हुए प्याज से लगभग उत्पाद का रूप पुनः तैयार कर लेंगे। जब 30 ग्राम निर्जलीकृत प्याज को एक प्रतिशत सोडियम क्लोराइड वोल के 250 मि० ली० के साथ 15 मिनट तक बनाया जाता है तो निर्जलीकृत प्याज स्वच्छ, मुस्तापान से मुक्त नाल रंग का उत्पाद बनेगा और जिसको एक विशेष सुकन, रंग और पके हुए प्याज गंध होगी। निर्जलीकरण अनुपात जैसे पकाने के पर्याप्त के भार अनुपात को बढ़ाकर तथा इसके भार के अधिक इस परावर्ण को निकाल कर पकाने से पूर्व 1.5 से कम्युत होता।

भाग 20

1. फल और सब्जी उत्पाद किन्हीं ऐसे समुचित आद्यान्तों में पैक किए जाएंगे जो नीचे वर्णित हैं तथा सभी आद्यान्तों को सुरक्षित रूप से पैक और सील किया जाएगा।

(क) डिब्बा बंद फल, जूस और सस्त्रियां : डिब्बा बंद फल, जूस और सस्त्रियों के लिए एक दिन प्लेट की समुचित किराने से ऊपर के स्वच्छ इकट्ठे के लिए उपयोग किया जाएगा।

(ख) डिब्बा बंद फल, जूस और सस्त्रियां : समुचित सील लगाए जा सकने वाले बोटल और जारों का उपयोग किया जाएगा।

(ग) जूस, स्वेज, कस, कोटियल सीरप, पब जल और अन्य सुपेय स्वच्छ बोटलों में पैक किए जाएंगे और सुनिश्चित रूप से सील किए जाएंगे। यह उत्पाद जब सीलबंद किया जाता है और नर्फ के रूप में विक्रय किया जाता है तो

इन्हें समुचित डिब्बों में पैक किया जाएगा। जूस या खुम्बरी को लकड़ी के बैरलों में पैक किया जा सकता है।

(ग) परिदृश्यक, अम्ल जैसी और मारम्बेड : इन उत्पादों को पैक करने के लिए नए डिब्बों, नए फनस्तरों, साफ जारों, पीनी मिट्टी के जारों या एल्यूमीनियम के आद्यान्नों का उपयोग किया जा सकता है और उले सुनिश्चित रूप से सील किया जाएगा।

(ङ) (i) अचार : स्वच्छ बोटलों, जार, लकड़ी के कास्क, टिन के आद्यान्त्र जो भीतर से न्यूनतम 250 ग्रांज की साइनिंग के पोलोमाइलिन से ढके हुए होने या समुचित रूप से प्रलास का उपयोग किया जाएगा।

(ii) टमाटर सैचप और सॉस : स्वच्छ बोटलों का उपयोग किया जाएगा यदि अम्लता 0.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होती है तो एसिटिक अम्ल के रूप में खुले मुह के स्वच्छ डिब्बों का भी उपयोग किया जा सकेगा।

(iii) सिरका और चटनी : स्वच्छ बोटलों या लकड़ी के कास्कों का उपयोग किया जा सकेगा।

(घ) पके हुए फल और छिलके तथा सूखे सेबे तथा सन्निदा : कागज की बैलियों, गल्लों या लकड़ी के डिब्बों, नए टिनों, बोटलों, जारों या अन्य समुचित रूप से अनुमोदित आद्यान्नों का उपयोग किया जाएगा।

2. आद्यान्नों पर निम्नलिखित विधिद्विधा स्पष्ट चिह्नित की जाएगी :

- (क) फल के प्रकार और किसत।
- (ख) उत्पाद जैसे जूस, रस और मारम्बेड की प्रकृति।
- (ग) अंतर्वस्तु का (बोटल वाले फल उत्पादों दशा में कुल अंतर्वस्तु में प्रतिशत का परिवर्तन हो स है) सूत्र भार या आयतन।
- (घ) विनिर्माता या ट्राड के स्वामी का नाम पता।
- (ङ) जहाँ कितनी अनुज्ञात परिदृश्यक और/या अधिकारक प्राकृतिक रंग से भिन्न मिलाया जाता इस भाग का कथन कि इसमें अनुज्ञात परिदृश्यक और रंजक अधिकता है जो प्राकृतिक रंग से भिन्न है।

3. इस आदेश के अधीन अनुज्ञात फल उत्पादों के, कोई हो तो विनिर्माता के नाम और स्थान को उपदर्शित बिना विनिर्माताओं को उत्पादों का निर्यात करने के लिए ज्ञात किया जाएगा। परन्तु यह तब जब कि ऐसी घोषणा "भारत में निर्मित है" या "भारत का उत्पाद" जो इस अधिनियम के अधीन जारी किए गए अनुज्ञापित संख्यांक के साथ फल उत्पादों या सब्जी उत्पादों के आद्यान्त्र पर चिपके हुए ले पर समुचित रूप से उपदर्शित किया गया हो।

भाग 21

फल उत्पादों में विषैली धातुओं की सीमा

नीचे सारणी में स्तंभ 2 में विनिर्दिष्ट अनेक फल उत्पादों में उक्त सारणी के स्तंभ 3 में दी गई मात्रा से अधिक विनिर्दिष्ट कोई विषैली धातु होगी।

विषैली धातु का नाम	उत्पाद का नाम	भारत में प्रतिशत मात्रा
1. सीसा	(i) सन्निद, महु, पेप (महु पेपों के विनिर्माण में उपयोग किए गए साखरों को छोड़कर)	
	(ii) फल और सब्जी जूस (जिनमें टमाटर रस सम्मिलित है किन्तु बिना साइप्रसप्यूस और निवू रस सम्मिलित नहीं है)	
	(iii) महु पेपों, जादन थ्यूस और निवू रस के विनिर्माण में उपयोग जाने वाले साखर	
	(iii) साखरों को अन्वर्धित करने हुए महु पेप	
	(iv) सूक्ष्म या निर्बलीकृत सन्निदा (प्यास को छोड़कर)	
	(v) निर्बलीकृत प्यास (सूखे प्यास होने पर)	10
2. ताँबा	(vi) विनिर्दिष्ट न किए गए फल उत्पाद	1
	(i) साखरों को अन्वर्धित करने हुए महु पेप	
	(ii) महु पेपों के लिए साखर	20
	(iii) कुच बीत को कुचने पर टमाटर की रस	50
	(iv) टमाटर चूरी, पेस्ट, चूरे रस और ऑस्ट्रेल (टमाटर के रस को कुचने पर)	100
(v) विनिर्दिष्ट न किए गए फल उत्पाद	30	

विवेकी वस्तु का नाम	उत्पाद का नाम	भार के बाजार पर प्रति लाख भाग
3. आर्सेनिक	(i) अनुसृत करने के पश्चात् उत्पन्न के वाणिज्य मृदु पैर (आर्सेनिक) (ii) निर्मनीकृत पाल (आर्सेनिक) (आर्सेनियम आक्साइड) (iii) विनिर्मित न किए गए फल उत्पाद (आर्सेनियम आक्साइड)	0.50 2.0 1.0
4. टिन	(i) प्रसंस्कृत और जिंका ड्रै उत्पाद (ii) धातुओं को अपघटित करने हुए मृदु पैर (ii) विनिर्मित न किए गए फल उत्पाद	250.0 100.0 250.0
5. बस्ता	(i) पीने के लिए तैयार सुयेब (ii) इस आदेश के अंतर्गत लाने वाले फल उत्पाद	5.0 19.0

भाग 22

अनुसूच्य अहानिकर खाद्य रंगों की सूची

(1) प्राकृतिक रंजक पदार्थ जिनका उपयोग किया जाएगा, निम्नलिखित प्राकृतिक रंजक सिद्धांत चाहे वे प्राकृतिक रंगों से अलग किए गए हों या प्रणालीबद्ध रूप से उत्पादित किए गए हों किन्हीं फल उत्पादों में आ पर उपयोग किया जाएगा :

- (क) किरमीची या कार्मीन
- (ख) कैरोटीन और कैराटीनाईड्स
- (ग) ब्लोरॉफिल
- (घ) लैक्टोफ्लेविन

- (ङ) कैरोमल
- (च) एनाटो
- (छ) एलनजोत
- (ज) केसर
- (झ) कुरकुमिन

(2) कोलतार रंजक जिसका उपयोग किया जा सकेगा फल उत्पादों में निम्नलिखित के सिवाय किसी कोलतार रंजक या उसके मिश्रण का उपयोग नहीं किया जाएगा :

रंग	सामान्य नाम	रंग अनुक्रमिक संख्या (1956)	सांख्यिक श्रेणी
नाल	पेलसिपु 4 अर	16256	एचो
	कार्मोसिन	14720	एचो
	फास्ट रेड ई	16068	एचो
	व्हायरस	16185	एचो
	इथिरोसिन	15430	कैन्थान
पीला	टोर्टेजिन	19140	पारराबोसोल
	सूर्योक्त पीला एक सी एक	15985	एचो
नीला	बैनी कार्मीन	23015	बैरोसोएड
	ब्लूफार गोला एक बी एक	42090	डॉनोपीरीन
हरा	हरा एम	24098	कलोर
	तेल हरा एक बी एक	42033	कलोर

(3) रंजकों का जब फल उत्पादों में उपयोग किया जाता है तो वे शुद्ध होंगे और सभी अहानिकर अशुद्धियों से मुक्त होंगे। किसी अनुसूच्य कोलतार रंग या अनुसूच्य कोलतार रंगों के मिश्रण में अधिकतम सीमा जो किसी फल उत्पाद में मिलाई जा सकेगी, उपयोग के लिए अंतिम फल उत्पाद के प्रति कि०घ्रा० 0.20 ग्राम से अधिक नहीं होगी। केवल वे अनुसूच्य कोलतार रंग फल उत्पादों के विनिर्माण में उपयोग किए जाएंगे जो भारत-देश-परिचाल-विज्ञान-विज्ञान-के-अधीन-विक्रय-लिए-जाते-हैं।

भाग 23

फल उत्पादों में अनुसूच्य परिरक्षकों की सीमाएं

अनुसूच्य परिरक्षक निम्नलिखित हैं :-

- (क) बेजोर्डिक अम्ल जिसमें उनका समक अम्ल सम्मिलित है; और
- (ख) सल्फ्यूरिक अम्ल जिसमें उनका समक अम्ल सम्मिलित है।



कृतिपय फल उत्पादों में उपयोग किए जाने वाले अनुज्ञात श्वैष्टिक परिरक्षकों की मात्राएं ये होंगी जो नीचे सारणी में उल्लिखित है :

फल उत्पाद	परिरक्षक	प्रति 10 गांठ भंग
1. फल और फल तुणवी या जूरा (वेद या क्रिस्टलीकृत कार्बिन या उपचारित फल या अन्य उत्पादों में संपरिवर्तन के लिए शुद्धित नहीं)		
(क) बेरी	सल्फर डाइ-ब्रासमाइट	5,000
(ख) स्ट्रबेरी और रस बेरी	सर्पोस	2,000
(ग) अन्य फल	सर्पोस	1,000
2. फल रस तान्द्रय	सर्पोस	1,500
3. सूखे मेवे		
(क) भुवानी, काठ, सेर, नाकपाती और अल	सर्पोस	2,000
(ख) रेगिन या मुस्ताना	सर्पोस	750
4. स्वेष, फल, फल सीरा, फोर्टिफाइड, फल रस और बल अल	सल्फर डाइ-ब्रासमाइट या बेनोडीन अम्ल	350
5. शैव, मारम्लेड, परिरक्षक और फल जली	सल्फर डाइ-ब्रासमाइट या बेनोडीन अम्ल	40
6. क्रिस्टलीकृत, कार्बन या उपचारित फल (जिसमें मगो हुई छीलन सम्मिलित है)	सल्फर डाइ-ब्रासमाइट	150
7. फल और फल तुणवी जो अनुपुनी में अथवा विनिर्दिष्ट नहीं है।	सर्पोस	350
8. सक्षरित परीकले के लिए नैकार गुंफा	सल्फर डाइ-ब्रासमाइट या बेनोडीन अम्ल	120
9. अचार और जटनी जो फल और सब्जियों से बनाए गए हों	सल्फर डाइ-ब्रासमाइट या बेनोडीन अम्ल	100
10. टमाटर या अन्य अम्ल	बेनोडीन अम्ल	280
11. निर्जंतोदक सब्जियां	सल्फर डाइ-ब्रासमाइट	2,000
12. टमाटर प्युरी और पेस्ट	बेनोडीन अम्ल	250
13. सीरा और अरजल	सल्फर डाइ-ब्रासमाइट या बेनोडीन अम्ल	350

अचारों और जटनियों में परिरक्षक के रूप में सल्फर डाइ-ब्रासमाइट उपयोग करने की दशा में, उत्पाद को दिन आद्यान्तों से भिन्न आद्यान्तों में पैक किया जाएगा।

स्पष्टीकरण — ऐसे फल उत्पादों की दशा में जहाँ दो विभिन्न परिरक्षकों का उपयोग किया जाना अनुज्ञात है, वहाँ उन दो परिरक्षकों का संयोजन भी इस सर्त के अधीन रहते हुए, कि उपयोग किए जाने वाले तैयार परिरक्षक की मात्रा उस परिरक्षक के लिए विहित भाग को संख्या से अधिक नहीं होगी, जो उक्त सारणी के स्तंभ 2 में विहित है और उस अनुपात के आधार पर निकाला जाता है जिसमें ऐसे परिरक्षक संयोजित किए जाते हैं।

#### भाग 24

(क) फल उत्पादों में, पैन्टीन, सोडियम, एलुमिनेट, फॉस्फोरस, एलुमिनिक अम्ल, प्रोपाइलिन ग्लाइकोलिथोनेट, मोनो सोडियम ग्लूटामेट, फॉस्फोरस क्लोराइड, फॉस्फोरस लेक्टेट और अन्य विषय फॉस्फोरस लवण मिलाए जा सकते हैं।

(ख) फल उत्पादों में प्रति आक्सीकारक के रूप में लेसोथिन और टोकोफेरॉल मिलाए जा सकते हैं।

प्रकाश चन्द्र,  
उप-निदेशी परामर्श,  
भारत सरकार।